डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 4

वर्ष : 21 अंक : 18 पेज: 08 जयपुर, सोमवार, 01 जून से 07 जून 2026 साप्ताहिक मूल्य: 7 रुपए

पांच राज्यों में 97 विधायक जीतने के बाद भी मुस्लिम सियासत की बड़ी हार

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हाल ही में देश के पांच राज्यों—पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम सामने आ चुके हैं। इस संकट और बड़े राजनीतिक बदलाव के दौर में इन पांचों राज्यों को मिलाकर कुल 97 मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। चुनावी विश्लेषण के अनुसार, ऐसा कोई भी राज्य नहीं रहा जहां एक भी मुस्लिम उम्मीदवार न जीता हो, लेकिन इसके बावजूद मुस्लिम विधायकों की कुल संख्या में पहले के मुकाबले भारी गिरावट दर्ज की गई है। भारत में कश्मीर के बाद सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले तीन प्रमुख राज्यों—असम (दूसरे नंबर पर), पश्चिम बंगाल (तीसरे नंबर पर) और केरल (चौथे नंबर पर) में इसी दौर में चुनाव संपन्न हुए हैं।

असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम) हुमायूं कबीर (एजेयूपी) बदरुद्दीन अजमल (एआईयूडीएफपी) सैयद सादिक अली शिहाब (मुस्लिम लीग)

पश्चिम बंगाल: टीएमसी का दबदबा, लेकिन आधी रह गई मुस्लिम नुमाइंदगी

पश्चिम बंगाल में कुल 36 मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इनमें से सबसे ज्यादा 31 उम्मीदवार सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के टिकट पर जीते हैं, जिनमें प्रमुख चेहरा फिरहाद हकीम, मुशर्रफ हुसैन, सबीना यासमीन और अहमद जावेद खान शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस के टिकट पर 2 सीटों पर जीत मिली है (हुमायूं कबीर ने दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है)। वहीं सीपीएम (CPIM) को पूरे राज्य में महज 1 सीट मिली और वह भी मुस्लिम उम्मीदवार मुस्तफिजुर रहमान के खाते में गई। इंडियन सेकुलर फ्रंट (ISF) के नौशाद सिद्दीकी ने भी अपनी सीट बचाते हुए दोबारा जीत हासिल की है। हालांकि, पिछली बार के मुकाबले पश्चिम बंगाल में मुस्लिम विधायकों की संख्या लगभग आधी रह गई है, जो पहले 60 से अधिक हुआ करती थी। इस चुनाव की सबसे बड़ी खबर यह रही कि जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रदेश अध्यक्ष और ममता सरकार में मंत्री रहे मौलाना सिद्दीकुल्लाह चौधरी चुनाव हार गए हैं।

असम: कांग्रेस के सहारे 22 सीटों पर मिली कामयाबी

असम विधानसभा चुनाव में इस बार कुल 22 मुस्लिम उम्मीदवारों को कामयाबी मिली है। राज्य में कांग्रेस को कुल 19 सीटें मिलीं, जिनमें से 18 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार विजयी रहे, जिनमें आफताबुद्दीन, नूरुल इस्लाम और जाकिर हुसैन जैसे नाम शामिल हैं। मौलाना बदरुद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ (AIUDF) को केवल 2 सीटें मिली हैं, जिसमें एक सीट खुद बदरुद्दीन अजमल की है। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय दल 'राइजोर दल' से महबूब अख्तर और टीएमसी के टिकट पर शमीम अली ने एक-एक सीट जीती है। गौरतलब है कि असम में अमूमन 40 से 50 मुस्लिम विधायक चुनकर आते थे, लेकिन इस बार यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 22 पर सिमट गया है।

केरल: मुस्लिम लीग और कांग्रेस गठबंधन ने बरकरार रखा अपना वजूद

केरल में मुस्लिम समाज ने अपनी राजनीतिक पकड़ और वजूद को मजबूती से बरकरार रखा है। यहां कुल 31 मुस्लिम उम्मीदवारों को जीत मिली है, जो पारंपरिक आंकड़ों के लगभग बराबर है। इनमें सबसे बड़ा योगदान इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) का रहा, जिसके 19 मुस्लिम उम्मीदवारों ने शानदार जीत दर्ज की है (लीग ने कुल 22 सीटें जीतीं)। इसके अलावा कांग्रेस के टिकट पर 8 मुस्लिम उम्मीदवार (जैसे टी. सिद्दीकी, एन.के. अली) और सीपीआईएम (CPIM) के टिकट पर पी.ए. मोहम्मद रियाज और ए.सी. मोइद्दीन सहित 3 उम्मीदवार जीते हैं, जबकि सीपीआई (CPI) को 1 सीट पर कामयाबी मिली है। केरल के मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को मजबूत रखते हुए अपनी राजनीतिक ताकत का लोहा मनवाया है।

तमिलनाडु और पुडुचेरी: नई पार्टियों की एंट्री और सीमित सीटें

तमिलनाडु में कुल 7 मुस्लिम उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। राज्य में अभिनेता विजय की नई नवेली पार्टी टीवीके (TVK) ने भी मुसलमानों को टिकट दिया था, जिसमें से ताहिरा और मोहम्मद फरवाज नाम के 2 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। इसके अलावा डीएमके (DMK) से 2, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (IUML) से 2 और कांग्रेस से 1 मुस्लिम उम्मीदवार को जीत मिली। तमिलनाडु में मुस्लिम आबादी करीब 6 से 7 फीसदी है, इसलिए वहां सीटों का यह आंकड़ा सामान्य माना जा रहा है। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में डीएमके (DMK) के उम्मीदवार ए.एम.एच. नाजिम के रूप में एकमात्र मुस्लिम प्रत्याशी को जीत मिली है।

राजनीतिक विश्लेषण: असम और बंगाल में मुस्लिम नेतृत्व के सामने बड़ा संकट

इस चुनाव का सबसे बड़ा विश्लेषण यह है कि अगर पश्चिम बंगाल में टीएमसी और असम में कांग्रेस-यूडीएफ गठबंधन मजबूत स्थिति में होते, तो मुस्लिम विधायकों का यह आंकड़ा 150 के पार जा सकता था। असम में लगभग 40 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 32 प्रतिशत और केरल में 26 प्रतिशत मुस्लिम आबादी निवास करती है। जहां केरल के मुसलमानों ने अपनी राजनीतिक सूझबूझ से अपनी स्थिति को मजबूत रखा है, वहीं असम और पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्यों में मुस्लिम समुदाय का स्वतंत्र राजनीतिक वजूद और असेंबली में उनकी हिस्सेदारी इस बार काफी घट गई है, जो आने वाले समय के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार, दुश्मनी और अराजकता का नहीं - मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्षी राजनेताओं द्वारा लगातार अपनाई जा रही असंसदीय भाषा, अराजक राजनीति और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध किए जा रहे आचरण पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, विरोध भी होना चाहिए, लेकिन विरोध और दुश्मनी के बीच की रेखा को लांघना लोकतंत्र के लिए घातक है। राठौड़ ने कहा कि भाजपा विचारों का विरोध करती है, लेकिन हमारी राजनीतिक संस्कृति में शब्दों की मर्यादा और सार्वजनिक जीवन की गरिमा को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। विपक्ष का धर्म सरकार की कमियों को उजागर करना है, जनता के मुद्दों को उठाना है और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है, लेकिन व्यक्तिगत कटुता, अपमानजनक शब्दों और सामाजिक वैमनस्य को बढ़ावा देना किसी भी जिम्मेदार राजनीतिक दल या नेता को शोभा नहीं देता।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज राजनीति में सबसे बड़ी आवश्यकता संवाद, शालीनता और वैचारिक संघर्ष की है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण रूप से कुछ नेता राजनीतिक लाभ के लिए समाज में टकराव और आवेश का वातावरण तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं। हनुमान बेनीवाल की भाषा और उनके सार्वजनिक वक्तव्यों में बार-बार इसी प्रवृत्ति की झलक दिखाई देती है। राठौड़ ने कुचामन प्रवास के दौरान हनुमान बेनीवाल के समर्थकों द्वारा किए गए हमले पर कहा कि अचानक कुछ लोग हाथों में तख्तियां लेकर उनकी गाड़ी के समीप पहुंचे और आक्रामक व्यवहार करने लगे।

स्थिति को देखते हुए सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें वाहन से नीचे उतरने से रोक दिया। राठौड़ ने कहा कि यदि कोई अपनी बात रखना चाहता है तो उसका स्वागत है, लेकिन यदि किसी की मंशा संवाद के बजाय भय का वातावरण बनाना या हमला करने जैसी प्रतीत हो, तो यह लोकतांत्रिक विरोध नहीं बल्कि अराजकता का संकेत है। इस प्रकार की घटनाएं यह अवश्य दर्शाती हैं कि कुछ लोग लोकतांत्रिक विरोध के बजाय टकराव की राजनीति को बढ़ावा देना चाहते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एक जन प्रतिनिधि की जिम्मेदारी युवाओं को सकारात्मक दिशा देना, कानून का सम्मान करना और समाज में अनुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना होती है। लेकिन जब कोई नेता सार्वजनिक मंचों से लोगों को बिजली बिल नहीं भरने, मीटर रीडर का विरोध करने, सरकारी व्यवस्थाओं को चुनौती देने या कानून व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा करने वाले संदेश देता है, तो वह युवाओं को गलत दिशा में ले जाने का कार्य करता है। राठौड़ ने कहा कि वे कानून के शासन को कमजोर करते हैं।

स्पष्ट है कि बेनीवाल युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के साथ ही पथभ्रष्ट कर रहे है। वे स्वयंभू सुप्रीमो बन रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन कानून तोड़ने और लोगों को उकसाने का अधिकार किसी को नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संविधान की शपथ लेकर संसद और विधान मंडलों में पहुंचने वाले जन प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कानून और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का भाव रखें।

शेष पृष्ठ 2 पर....

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा कांग्रेस से गठबंधन करेगी?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई हैं। इस बीच कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन की चर्चा पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन बराबरी का होता है। कांग्रेस को उचित हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में अपराध और रंगदारी बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में सपा के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस एक सर्वे भी करवा रही है। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, इमरान मसूद ने कहा कि यह उनका मुद्दा नहीं है। यह सब पार्टी तय करेगी, लेकिन पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को आगे लाया जाना चाहिए। प्रदेश में पार्टी की स्थिति बेहतर होनी चाहिए। मैं अपनी पार्टी को मजबूत करने की

बात करता हूं, और यह हर किसी का अधिकार है।

'हमें उचित हिस्सेदारी मिले'

उन्होंने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि हमारी पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़े और उचित हिस्सेदारी मिले। उन्होंने कहा कि गठबंधन बराबरी का होता है, उसमें कोई बड़ा या छोटा नहीं होता है।

'जब सीट ही नहीं होगी तो जीत कैसे होगी'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 'सीट नहीं, जीत' वाले बयान पर इमरान मसूद ने कहा कि जब सीट ही नहीं होगी तो जीतकर क्या होगा? जब हमारी सीट ही नहीं होगी तो हम जीतकर क्या करेंगे? फिर तो आप ही जीत जाइए। उन्होंने आगे कहा कि गठबंधन में इस तरह की बातें नहीं होतीं। हमारे कार्यकर्ताओं की महत्वाकांक्षाएं हैं, उन्हें हम कब तक दबाकर रखेंगे? वहीं उन्होंने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक हालात पर कपिल सिब्बल के बयान का समर्थन किया और कहा कि वह देश के बड़े वकील हैं। देश में जो कुछ भी हो रहा है, वह शर्मनाक है। एक सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी के साथ मारपीट हुई है।

पूर्व न्यायाधीश के इंजीनियर बेटे की बिना दहेज के शादी, मेव समाज के लिए बनी मिसाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहाबुद्दीन पूर्व जिला न्यायाधीश, जो वर्तमान में चेयरमैन (न्यायाधीश) स्थायी लोक अदालत भीलवाड़ा (राज.) में कार्यरत हैं, ने अपने पुत्र शाहीन अहमद की शादी पिछले दिनों रईस खान बरेली (UP) की पुत्री के साथ सम्पन्न की। स्वयं न्यायाधीश शहाबुददीन एवं उनके सभी परिवार के सदस्यों ने रिश्ता किये जाने से पूर्व यह स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी प्रकार का दहेज स्वीकार नहीं होगा। जिस पर लड़की का परिवार भी सहमत हो गया। इस प्रकार बिना दहेज के शादी सम्पन्न हुई। शादी स्थल बरेली (UP) में समाज के एवं अन्य समुदाय के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

न्यायाधीश शहाबुददीन मूलतः गांव दादर जिला अलवर (राज.) के रहने वाले हैं जो पिछले 21 वर्ष से जयपुर में रह रहे हैं। इनके पुत्र शाहीन अहमद सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, जो ब्राजील की कम्पनी में जॉब करते हैं। शादी में शिरकत करने वाले समाज एवं अन्य सभी लोगों ने बिना दहेज शादी करने को सराहनीय कदम बताया। इस प्रकार से शादी करना सम्पूर्ण मेव समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है एवं अनुसरणीय है। वर्तमान में मेव समाज में शादियों में दहेज बढ़-चढ़कर दिया जाता है। दहेज का चलन मेव समाज में इतना विकराल रूप ले चुका है कि मेव समाज के लोग अपनी खेती की ज़मीन, मकान, सोने चाँदी के गहने बेचकर और क़र्ज़ा लेकर भी महंगी शादी कर रहे हैं। इस कारण से भी मेव समाज के लिए पूर्व न्यायाधीश शहाबुद्दीन के इंजीनियर बेटे की शादी समाज के लिए महत्वपूर्ण संदेश मानी जा रही है।

राजस्थान से राज्यसभा का टिकिट किसी मुस्लिम को मिलना मुश्किल !

-कांग्रेस किसी मुस्लिम को राजस्थान से राज्यसभा भेज सकती है!

-8 जून को भरे जाएंगे नामांकन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में तीन राज्यसभा सीटें खाली हो रही हैं। जिसके लिए 8 जून को नामांकन भरे जाएंगे। विधानसभा में विधायकों की संख्या के आधार पर भाजपा की दो सीटों पर और कांग्रेस की एक सीट पर जीत पक्की मानी जा रही है। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस पार्टी एक लंबे समय के बाद अपने वोट बैंक को तरजी देने लगी है। यही कारण है कि कांग्रेस ने दलितो, पिछड़ों को पार्टी के उच्च पदों पर बैठाया है। इसी कारण राजस्थान का मुस्लिम वर्ग कांग्रेस से अपेक्षा, रखता है

कि इस बार उसे राज्यसभा में जाने का अवसर मिलना चाहिए। क्योंकि मुस्लिम वर्ग कांग्रेस को मजबूत बनाने और उसके अस्तित्व को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोकसभा में कांग्रेस का मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाता है जबकि प्रदेश में मुसलमानों की करीब 10 -11 प्रतिशत आबादी है। ऐसे में कांग्रेस को चाहिए कि प्रदेश से कम से कम एक सांसद संसद में मुस्लिम वर्ग से भेजे। लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करती दिखाई दे रही है। क्योंकि कांग्रेस को मुसलमानों का वोट आसानी से मिलता रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और आलाकमान सोचता है कि जब मुस्लिम वर्ग के वोट कांग्रेस को मिल ही जाते हैं तो उन्हें राज्यसभा भेजने की क्या जरूरत है। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के मुस्लिम कार्यकर्ता और पदाधिकारी भीतर ही भीतर कांग्रेस में मुस्लिमों की उपेक्षा से नाराज है। उनका कहना है कि पार्टी में बड़ी संख्या में मुस्लिम कार्यकर्ता पार्टी से जुड़े हुए हैं, किसी को भी राज्यसभा में भेजा जा सकता है। कांग्रेस की ओर से अभी तक मुस्लिम वर्ग से किसी को राज्यसभा में भेजने के कोई संकेत नहीं है, फिर भी मुस्लिम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और मुस्लिम समुदाय में बड़ी आशा है कि इस बार कांग्रेस किसी मुस्लिम को राज्यसभा भेज सकती है।

रंजो ग़म!

मैं जिस से देखता था उसे वो खिड़की नहीं रही।
मेरे घर के गुलशन में अब वो तितली नहीं रही।।

बुर्का खरीदती थी जो वो अब शॉर्ट्स खरीदती है।
वो अब मेरी पसंद की लड़की नहीं रही।।

कल मिली बाजार में बोली जींस टॉप दिला दो।
वैसे भी अब तुम्हारी में बीवी नहीं रही।।

मैने कहा कि लेलो तो बोली समझ गई हूँ में।
अब तुम्हें मुझसे मोहब्बत नहीं रही।।

अब उस से मोहब्बतों का कोई दावा नहीं मुझे।
हां ये है कि उस से मुझे नफ़रत नहीं रही।।

ये देख के कि खुश है वो मेरे बगैर अब।
इस जिंदगी से मुझको शिकायत नहीं रही।।

मां जैसी ढूंढती है अब मेरे वास्ते दुल्हन।
इस दौर में तो ऐसी कोई लड़की नहीं रही।।

जब से गई है मां मुझे तू छोड़ के "तन्हा"।
इस घर की कोई चीज़ भी अच्छी नहीं रही।।

रचना:-यासिर हुसैन "तन्हा "

ग़ज़ल

जो सुना नहीं वो कलाम दे दूं
सामने आ जरा सलाम दे दूं
निकम्मा है तुझे कुछ काम दे दूं
शान से जीने के लिए दाम दे दूं
ऐ फुर्सते ज़ीस्त ठहर तो ज़रा
सजा के रक्खी है वो शाम दे दूं
सवाल सख़्त हैं वह छोड़ भी दे
आ के आसानियों का जाम दे दूं
तलाश में साए की जो रहते हैं
कह दे जुल्फों की तेरी शाम दे दूं
और मुझ पर तरस दिखाने वाले
आ क़रीब ओर कुछ इनाम दे दूं

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त

अखबार बांटने के लिए हॉकर्स की आवश्यकता है

जयपुर से प्रकाशित होने वाले लोकप्रिय अखबार "रॉयल पत्रिका" को जयपुर में अख़बार बांटने के लिये पढ़े-लिखे युवकों की आवश्यकता है । वेतन रु. 10 -15 हजार+पेट्रोल+इन्सेंटिव ।

तुरन्त संपर्क करें – मोबाइल: 97995 59096

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बरसात में फिर डूब सकता है पुराना शहर

-मानसून सिर पर अब तक नहीं हुई लटिया नाले की सफाई

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मानसून के आगमन में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन शहर के सबसे संवेदनशील लटिया नाले की सफाई और अवरोध हटाने की दिशा में अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड परियोजना के चलते नाले में जमा भारी मात्रा में मलबा, पत्थर और निर्माण सामग्री बरसात के दौरान पुराने शहर के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। मौका कमिश्नर एडवोकेट राहुल सिंह शेखावत की न्यायालय में प्रस्तुत रिपोर्ट में कई चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए नाले में 104 पिल्लर्स स्थापित किए जा रहे हैं। इन पिल्लर्स की नींव के लिए की गई गहरी खुदाई से निकले पत्थर, मिट्टी और मलबे को हटाने के बजाय नाले के भीतर ही छोड़ दिया गया है। इतना ही नहीं, इसी मलबे से नाले के बीचों-बीच अस्थायी सड़क बना दी गई है, जिस पर निर्माण कम्पनी के भारी वाहन लगातार आवागमन कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि राजबाग एनीकट से आए तेज बहाव के कारण क्षतिग्रस्त हुई राजबाग पुलिया का मलबा भी आज तक नाले से नहीं हटाया गया है। इससे नाले की जल निकासी क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है।

आबादी और नाले का लेवल बराबर:-

मौका रिपोर्ट में सबसे गम्भीर तकनीकी खामी नाले और आसपास की आबादी के धरातलीय स्तर को लेकर सामने आई है। पिल्लर संख्या 87 से 78 के मध्य नाले का लेवल मदीना मस्जिद सहित आसपास के रिहायशी क्षेत्रों की जमीन के बराबर हो चुका है। इसी क्षेत्र के निकट कब्रिस्तान और श्मशान भी स्थित हैं। ऐसी स्थिति में बरसात का पानी सीधे आबादी वाले इलाकों में प्रवेश कर सकता है। इसके अलावा पिल्लर संख्या 73 से 69 तथा 81 से 34 के मध्य भी नाले और उससे सटी सड़कों का स्तर लगभग समान पाया गया है।

कम ऊंचाई वाले पिल्लर्स और टी-आकार की संरचना बन सकती है आपदा का कारण:-

एलिवेटेड रोड के कई पिल्लर्स की ऊंचाई बहुत कम है। पिल्लर संख्या 103 की ऊंचाई जमीन से मात्र 3 से 6 फीट तथा पिल्लर संख्या 91 की ऊंचाई केवल 2 से 6 फीट दर्ज की गई। वहीं पिल्लर्स के ऊपर निर्मित टी-आकार की संरचना नाले के तल से लगभग 10 फीट की ऊंचाई पर है। रिपोर्ट में आशंका व्यक्त की गई है कि तेज बरसाती बहाव के दौरान पानी इन पिल्लर्स और टी-आकार की संरचनाओं से टकराकर अपना प्राकृतिक मार्ग खो देगा। इससे बैक वाटर प्रभाव उत्पन्न होगा और पानी विपरीत दिशा में बहकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में घुस सकता है।

न्यायालय में मामला विचाराधीन, रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता:-

मामले से जुड़े अधिवक्ता अब्दुल हासिब ने बताया कि राजबाग से गोपालजी मंदिर तक निर्माणाधीन एलिवेटेड रोड के कारण लटिया नाले के प्राकृतिक बहाव क्षेत्र में गंभीर अवरोध उत्पन्न हो गया है। हयात अली बनाम राजस्थान राज्य प्रकरण में अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश द्वारा मौका स्थिति का निरीक्षण कराने के लिए एडवोकेट राहुल सिंह शेखावत को मौका कमिश्नर नियुक्त किया गया था। मौका रिपोर्ट में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि मानसून पूर्व नाले से मलबा नहीं हटाया गया और आवश्यक तकनीकी सुधार नहीं किए गए, तो बरसात के पानी का बहाव बाधित होकर शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में तबाही मचा सकता है। ऐसे में प्रशासन, संबंधित विभागों और निर्माण एजेंसी के लिए यह रिपोर्ट एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आई है।

सिंगोदखुर्द के दिव्यांग दंपती को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने भेंट की स्कूटी

-चेहरे पर लौटी मुस्कान

एहसान पठान

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को संबल प्रदान करने और "नर सेवा ही नारायण सेवा" के संकल्प को साकार करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राजस्थान व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की है। शर्मा ने सिंगोदखुर्द निवासी दिव्यांग रमेश कुमार सेठी और उनकी धर्मपत्नी ममता रैगर को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्म-निर्भरता का संबल प्रदान किया। कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक शर्मा का परिवारजनों और ग्रामवासियों द्वारा माला एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामलाल शर्मा ने दिव्यांग दंपती का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपी। स्कूटी पाकर दंपती के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस मौके पर रामलाल शर्मा ने कहा कि अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए समाज के हर वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना और उनके जीवन को सुगम बनाना ही हमारा मुख्य ध्येय है। इस संबल से अब इस दंपती का जीवन आसान हो सकेगा और वे समाज में आत्म-निर्भरता के साथ आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर भाजपा गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शेखावत, थानाधिकारी विनोद सांखला, त्रिलोक लोच्छिब, सुरेश कुमार सैनी (सरपंच - सिंगोद कला), कजोड़ चोपड़ा (पूर्व सरपंच - सिंगोद कला), गोपाल यादव (पूर्व उपसरपंच - सिंगोद खुर्द), पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी चमन लाल वर्मा, जगदीश यादव (पोस्टमैन), कैलाश चंद पप्पू टेलर, रामेश्वर यादव, विक्रम सिंह शेखावत, राम सिंह शेखावत, जगन्नाथ (मैनेजर), रामदेव शास्त्र, उमेद राम रैगर, ओम प्रकाश सोनी, श्रवण लाल रैगर, मुरारी लाल बुनकर, राजेश कुमार अंकुर (प्रधानाचार्य), और सोनू वर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे। इस दौरान पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन सरदार सिंह जाखड़ द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायत आष्टी कला के ग्राम गीदा का बास में एक साल से बंद पड़ा आरो प्लांट

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आस्टींकला के ग्राम गीदा का बास के एक साल से बंद पड़ा हैं आरो प्लांट ग्रामीणों द्वारा बार बार जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी आज तक कोई समाधान नही ग्रामीणों का कहना है कि पीने के पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है जिससे फ्लोरोसिस जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। यह समस्या भूजल स्तर गिरने के कारण हो रहा है, जिससे पानी में फ्लोराइड का सांद्रता बढ़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक साल से गाँव मे लगा आरो प्लांट बंद पड़ा हैं जिसके कारण लोगों को फ्लोराइड का पानी पीना पड रहा है जिसमें जोड़ों में जकड़न, चलने-फिरने में असमर्थता मांसपेशियों में कमजोरी, और रीढ़ की हड्डी में विकृति, किडनी, थायराइड और बच्चों के मानसिक विकास पर भी असर पड़ सकता है। पानी में फ्लोराइड की मात्रा 17 मिलीग्राम प्रति लीटर तक पाई गई है।

प्रशासन के अनुमति के बिना गुर्जर समाज ने किया शहीदों की मूर्तियों का अनावरण

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । रणथंभौर स्थित कुशालीदर्रा तिराहे पर आयोजित तीन दिवसीय देवनारायण राष्ट्रीय महोत्सव एवं शहीद दिवस समारोह का शनिवार को विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर गुर्जर समाज ने गुर्जर आरक्षण आंदोलन से जुड़े प्रमुख चेहरों और शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शहीद स्मारक स्थल पर कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला, कन्हैयालाल गुर्जर और राधेश्याम गुर्जर की मूर्तियों का अनावरण किया। गौरतलब है कि जिला प्रशासन की ओर से पूर्व में एडवाइजरी जारी कर मूर्तियां स्थापित नहीं करने तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद गुर्जर समाज ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन जारी रखा और आखिरकार कुशाली दर्रा स्थित शहीद स्मारक स्थल पर तीनों मूर्तियों की स्थापना कर उनका अनावरण कर दिया। पिछले तीन दिनों से लगातार चल रहे इस महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग शामिल हुए। समापन समारोह के दौरान मूर्ति अनावरण के बाद शहीदों के परिजनों द्वारा विधिवत हवन-पूजन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धा और सम्मान के साथ आहुतियां अर्पित की गईं। पूरे आयोजन के दौरान शहीदों के योगदान और गुर्जर समाज के संघर्षों को याद किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व गुर्जर संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैसला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुर्जर समाज अपने अधिकारों, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहा है और यह लड़ाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने समाज से एकजुट रहने और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान भी किया। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर सहित कई सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर सैंकड़ों की संख्या में गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहे । जिन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। तीन दिवसीय देवनारायण राष्ट्रीय महोत्सव एवं शहीद दिवस के समापन के साथ ही गुर्जर समाज ने एक बार फिर अपने सामाजिक सम्मान, आरक्षण आंदोलन और शहीदों की स्मृति को केंद्र में रखकर एकजुटता का संदेश दिया। वहीं प्रशासन की एडवाइजरी के बावजूद मूर्तियों की स्थापना और अनावरण को लेकर यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस एंव प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का विरोध नही किया गया । प्रशासन दूर रहकर सब कुछ देखता रहा, जिससे गुर्जर समाज और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति नहीं बनी और गुर्जर समाज ने तीनों मूर्तियों का विधि विधान से अनावरण कर दिया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने दिव्यांग मनीष शर्मा को स्कूटी भेंट की

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । "नर सेवा ही नारायण सेवा" के संकल्प को चरितार्थ करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। शर्मा ने ग्राम इटावा भोपजी निवासी दिव्यांग मनीष शर्मा पुत्र विद्यासागर शर्मा को स्कूटी भेंट की । इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामलाल शर्मा ने मनीष शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी मिलने मनीष के आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। इस मौके पर रामलाल शर्मा ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संबल से मनीष पूरे आत्म-विश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर भाजपा गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शेखावत, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार सैनी, पूर्व सरपंच भगवान सहाय यादव, अजय सिंह नाथावत, भंवर सिंह, एवं मूलशंकर मेहता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दो बोरिंग करवाने का आश्वासन दिया

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । चौमूं तहसील के विकास को लेकर एक सिस्ट मंडल सीकर सांसद अमराराम, चौमूं विधायक प्रतिनिधि, पूर्व अध्यक्ष कृषि मंडी सांवरमल चौधरी, एसडीएम आशीष कुमार शर्मा एवं सहायक अभियंता गोविंदगढ़ ज्योति सैनी ने जे जे एम योजना के तहत ग्राम बागडो का बास, ग्राम पंचायत आस्टींकला तहसील चौमूं में स्वीकृत स्कीम का निरीक्षण ग्राम वासियों द्वारा किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ग्राम में पूर्व में स्वीकृत बोरिंग का पानी खारा है एवं पीने योग्य नहीं है। सांसद ने दो नए बोरिंग स्वीकृति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया । अधिकारियों ने शीघ्र दो बोरिंग करवाने का आश्वासन दिया तथा 3 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डालने के लिए भी कहा गया तथा हनुमान मीणा की ढाणी में पाइप लाइन डलवाने का भी आश्वासन दिया तथा झूथा राम बोचलिया की ढाणी के पास बंद की गई पाइप लाइन को चालू करवाने का आश्वासन दिया।

डॉ. जगदीश प्रसाद खातोदिया ने कोटपूतली स्थित संजीवनी हॉस्पिटल के निदेशक से मुलाकात की

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष डॉ. जगदीश प्रसाद खातोंदिया ने अपनी टीम के साथ बहरोड़ जाकर लौटते समय कोटपूतली स्थित संजीवनी हॉस्पिटल निदेशक डॉ. सांवरमल यादव से मुलाक़ात कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की। इस अवसर पर जोधपुर जिलाध्यक्ष जगदीश यादव धोलियों का बास व चौमूं छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष बालूराम यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेष....

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार, दुश्मनी........

जो लोग स्वयं संविधान की शपथ लेते हैं और फिर जनता को व्यवस्था के खिलाफ भड़काने का कार्य करते हैं, उन्हें आत्म मंथन करने की आवश्यकता है। राजनीतिक जीवन में शब्दों का विशेष महत्व होता है। एक नेता के शब्द लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में भाषा की गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज कुछ नेता ऐसी शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं जो न केवल राजनीतिक संवाद को दूषित कर रही है बल्कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचा रही है। भाजपा का स्पष्ट मानना है कि विपक्ष मजबूत होना चाहिए, सरकार की आलोचना भी होनी चाहिए और जन हित के मुद्दों पर संघर्ष भी होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ दुश्मनी नहीं होता। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी शत्रु नहीं होते। लोकतंत्र में ऐसा वातावरण होना चाहिए कि विचारों में मतभेद होने के बावजूद व्यक्ति एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजनीति को व्यक्तिगत आरोपों, अभद्र भाषा और उकसावे की संस्कृति से मुक्त करने की आवश्यकता है। समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी है। यदि राजनीतिक दल और नेता स्वयं मर्यादाओं का पालन नहीं करेंगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होगी और जनता का विश्वास भी प्रभावित होगा। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि लोकतांत्रिक मूल्यों, शालीन राजनीतिक संवाद और सकारात्मक राजनीति को बढ़ावा देने में अपनी रचनात्मक भूमिका निभाएं। समाज और लोकतंत्र के हित में ऐसी राजनीति को प्रोत्साहन मिलना चाहिए जो संवाद, विकास, संवैधानिक मूल्यों और जनसेवा पर आधारित हो। भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक परंपराओं, राजनीतिक शुचिता और स्वस्थ संवाद की पक्षधर रही है और आगे भी रहेगी। भाजपा वैचारिक संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटेगी, लेकिन राजनीति को व्यक्तिगत दुश्मनी, असंसदीय भाषा और अराजकता का माध्यम बनाने के किसी भी प्रयास का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देती रहेगी।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग

-ईदगाह के बाहर प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बकरा ईद (ईद-उल-अज़हा) के अवसर पर गुरुवार को राजधानी जयपुर के दिल्ली बाईपास स्थित ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज़ अदा की। नमाज़ के बाद राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी की ओर से ईदगाह के बाहर गोवंश संरक्षण को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने तथा गोवंश संरक्षण के लिए देशभर में सख्त कानून लागू करने की मांग उठाई गई।

प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और शांति का संदेश देते हुए कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक मूल्यों का महत्वपूर्ण प्रतीक है, इसलिए गोवंश को पूर्ण सुरक्षा मिलनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने गोहत्या करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और सख्त सजा की मांग भी रखी। राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी शेख निजामुद्दीन ने केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि गाय को राष्ट्र पशु घोषित किया जाए और गोवंश संरक्षण को लेकर पूरे देश में एक समान कानून लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि इस विषय पर राजनीति समाप्त होनी चाहिए और गोसंरक्षण को राष्ट्रीय अभियान के रूप में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ईद-उल-अज़हा केवल कुर्बानी का त्यौहार नहीं बल्कि मानवता, करुणा और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। आयोजन में मौजूद लोगों ने गोसंरक्षण के समर्थन में नारे लगाए और समाज व सरकार से मिलकर गोवंश संरक्षण के लिए कार्य करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। आयोजकों ने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग सरकार और प्रशासन तक पहुंचाना है। आयोजन के माध्यम से गोवंश संरक्षण के साथ सामाजिक जागरूकता और सौहार्द का संदेश देने का प्रयास किया गया।

जयपुर में जल संकट

45 डिग्री में 'नो-वाटर ज़ोन' बनीं बस्तियां, PHED दफ्तर पर महिलाओं का डेरा

-जयपुर में पानी का हाहाकार! बूंद-बूंद के लिए तरसी जनता

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर शहर में भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत को लेकर जनता का गुस्सा पूरी तरह फूट पड़ा है। परेशान स्थानीय लोगों और बुजुर्ग महिलाओं ने मिलकर पीएचईडी विभाग के कार्यालय के बाहर एक बड़ा धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है, प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि वे पिछले एक से डेढ़ महीने से पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं और उनके घरों के नल पूरी तरह सूखे पड़े हैं। इस 45-डिग्री तापमान वाली भीषण गर्मी में पानी न मिलने के कारण आम जनता का जीना मुहाल हो चुका है।

त्यौहार पर मंडराया पानी संकट का साया

स्थानीय महिलाओं ने अपनी परेशानी बयां करते हुए कहा कि केवल चार दिन बाद ईद का बड़ा त्यौहार आने वाला है, लेकिन पानी की भारी किल्लत के कारण घरों में त्यौहार की तैयारियां पूरी तरह ठप हो गई हैं। लोगों के पास नहाने और जुम्मे की नमाज पढ़ने तक के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। मंडी और मजदूरी पर जाने वाले पुरुष जब दिनभर की कड़ी धूप और पसीने से लथपथ होकर घर लौटते हैं, तो उन्हें गला तर करने तक के लिए पानी नसीब नहीं होता। ऐसी स्थिति में त्यौहार मनाना स्थानीय निवासियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

अफसरों की टालमटोल और टैंकर व्यवस्था का विरोध

जब पीड़ित जनता अपनी समस्या लेकर विभाग के पास पहुंची, तो आला अधिकारियों ने कोई ठोस कदम उठाने के बजाय टालमटोल का रवैया अपना लिया। अधिकारियों द्वारा लोगों को 8 से 10 दिन रुकने या गर्मी खत्म होने का इंतजार करने का खोखला आश्वासन दिया जा रहा है। हालांकि, निचले स्तर के कर्मचारियों ने बस्ती में पानी का टैंकर भेजने की बात कही है । लेकिन जनता ने इस अस्थायी व्यवस्था का कड़ा विरोध किया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पूरी बस्ती के लिए केवल एक टैंकर भेजने से पानी के लिए आपस में छीना-झपटी और लड़ाई-झगड़ा शुरू हो जाता है, इसलिए उन्हें सिर्फ नलों में नियमित जलापूर्ति चाहिए।

नेताओं और क्षेत्रीय पार्षदों के प्रति भारी नाराजगी

प्रशासन की इस उदासीनता से परेशान होकर जनता का गुस्सा स्थानीय नेताओं और पार्षदों पर भी जमकर उतरा है। लोगों का आरोप है कि पार्षद और नेता सिर्फ चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं और बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं, लेकिन संकट के समय कोई उनकी सुध लेने नहीं आता। गुस्साए बुजुर्गों और महिलाओं ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो वे आने वाले चुनावों में नेताओं को क्षेत्र में घुसने नहीं देंगे और वोट का पूर्ण बहिष्कार करेंगे।

केबिन से अधिकारी नदारद, AC और कूलर चालू

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब मीडिया टीम ने अधिशासी अभियंता विकास शर्मा के केबिन का दौरा किया। अधिकारी अपने कमरे से पूरी तरह गायब थे, जबकि उनके केबिन में एसी (AC), पंखे, कूलर और लाइटें सब धड़ल्ले से चालू छोड़ दिए गए थे। एक तरफ जहां आम जनता धूप में तड़प रही है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी बिजली और संसाधनों का यह खुला दुरुपयोग प्रशासन की लापरवाही को पूरी तरह बेनकाब करता है। फोन पर संपर्क करने पर अधिकारी ने खुद को फील्ड पर बताया, लेकिन दफ्तर के ये हालात जनता के घावों पर नमक छिड़कने जैसे हैं।

आसमान छूती महंगाई के बीच जुम्मा बाजार बना राहत का बाजार

-सालों पुरानी कीमतों पर आज भी मिल रहा सामान

-आसमान छूती महंगाई के बीच सस्ताई का इकलौता टापू

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । आज के समय में जब देश भर में पेट्रोल, डीजल और हर छोटी-बड़ी चीज के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, आम आदमी की जेब पर महंगाई की दोहरी मार पड़ रही है। ऐसे मुश्किल दौर में भी जयपुर के छप्पर 'बंदों के रास्ता', घाटगेट में लगने वाला यह साप्ताहिक बाजार (जुम्मा बाजार) आम जनता के लिए राहत की बड़ी उम्मीद बनकर खड़ा है। जहां एक तरफ बड़े-बड़े मॉल और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर कपड़े और जरूरत के सामान के दाम दिन-ब-दिन महंगे होते जा रहे हैं, वहीं इस ऐतिहासिक बाजार में आज भी महंगाई पूरी तरह फीकी नजर आती है और हजारों महिलाएं यहां बेफिक्र होकर खरीदारी करने पहुंचती हैं।

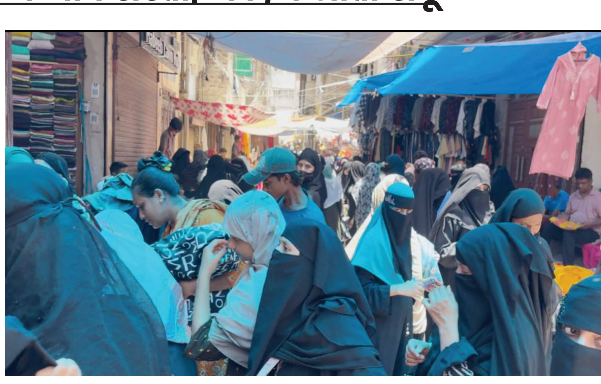

लागत बढ़ने के बाद भी सालों पुरानी रेट पर अड़े दुकानदार

इस बाजार की सबसे हैरान करने वाली सच्चाई यह है कि कच्चे माल (रॉ मेटेरियल) की निर्माण लागत (मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट) पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। कपड़े तैयार करने वाले कारखाने अब बढ़ी हुई कीमतों पर माल दे रहे हैं।

लेकिन इसके बावजूद, इस बाजार के दुकानदारों ने पिछले एक साल से अपनी पुरानी कीमतों में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की है। दुकानदारों का कहना है कि महंगाई के इस दौर में अगर वे दाम बढ़ाएंगे, तो गरीब और मध्यमवर्गीय ग्राहक खरीदारी नहीं कर पाएंगे। इसलिए व्यापारी खुद का मुनाफा (मार्जिन) कम करके भी ग्राहकों को उसी पुरानी और सस्ती रेट पर माल दे रहे हैं।

बाजारों में मची है लूट, पर यहां मात्र रु.50 से रु.150 में मिल रहा सामान

आम बाजारों या पास के बड़े दड़ा मार्केट की तुलना में यहां मिलने वाली सस्ताई अकल्पनीय है।

जो कपड़े बाहर के बाजारों में रु.70 में मिलते हैं, वह यहां आज भी पुरानी दरों पर मात्र रु.35 से रु.40 में मिल जाते हैं। हद तो तब हो जाती है जब इस भीषण महंगाई के दौर में भी यहां लेडीज सूट के पीस मात्र रु.50, ₹ रु.100 या रु.150 में दो की दर से भी मिल जाते हैं। बाहर रु.500 में मिलने वाली चीजें यहां सीधे रु.300 में उपलब्ध हैं, जिससे हर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार को सीधे रु.200 की सीधी बचत हो रही है।

क्वालिटी से समझौता नहीं, दूर-दूर से खिंची चली आती है भीड़ कम कीमत सुनकर अक्सर लोगों को लगता है कि शायद माल खराब होगा, लेकिन यहां के खरीदारों का दावा है कि बेहद कम दामों के बावजूद कपड़ों की क्वालिटी नंबर वन होती है। यही वजह है कि महंगाई से त्रस्त जनता को जब इस बाजार की भनक लगती है, तो लोग झूंथवाड़ा और नहारी का नाका जैसे दूर-दराज के इलाकों से झुंड बनाकर यहां आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी जाकर देखा है, लेकिन इस भयंकर महंगाई के युग में भी जयपुर के इस बाजार जैसी रिकॉर्ड तोड़ सस्ताई और अच्छी क्वालिटी पूरे देश में कहीं और मिलना नामुमकिन है।

देश सेवा के बाद अब हक के लिए संघर्ष

- 48° पारे में कपड़े उतार सड़कों पर उतरे PTI अभ्यर्थी, 10 महीने से अटकी जांच

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान की राजधानी जयपुर में शिक्षा संकुल के बाहर पीटीआई (PTI) भर्ती 2022 के अभ्यर्थियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले आठ दिनों से चल रहे इस धरना प्रदर्शन ने उस समय एक बेहद उग्र रूप ले लिया जब प्रदर्शनकारियों ने तीखी धूप और लगभग 48 डिग्री के जानलेवा तापमान के बीच अर्धनग्न होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि डबल इंजन की सरकार और उनके आला अधिकारी उनकी जायज मांगों को लेकर पूरी तरह से आंखें मूंदे बैठे हैं, जिसकी वजह से उन्हें इस कड़ी धूप में अपने कपड़े उतारने पर मजबूर होना पड़ा है।

स्थायीकरण और नियमित वेतन की मांग

प्रदर्शनकारियों की सबसे मुख्य मांग उनका स्थायीकरण और वेतन नियमितीकरण है। अभ्यर्थियों ने बताया कि उनकी पोस्टिंग सितंबर 2023 में हुई थी और नियम के अनुसार सितंबर 2025 में उनका दो साल का प्रोबेशन पीरियड भी पूरा हो चुका है। इसके बावजूद लगभग एक साल से अधिक का समय बीत जाने पर भी उनका नियमितीकरण नहीं किया गया है। इस भीषण महंगाई के दौर में उन्हें मात्र 20 से 21 हजार रुपये के फिक्स मानदेय पर गुजारा करना पड़ रहा है, जिससे उनका घर चलाना बेहद मुश्किल हो गया है।

जांच के नाम पर अधूरा आश्वासन

अभ्यर्थियों ने प्रशासन पर जांच के नाम पर मामले को लटकाने और गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चयन के दौरान उनके दस्तावेजों की अलग-अलग स्तरों पर लगभग छह बार जांच की जा चुकी है। एसओजी (SOG) ने भी अपनी रिपोर्ट में अधिकतम अभ्यर्थियों को सही माना था। सचिवालय के आदेश में जांच के लिए सिर्फ 10 दिन का समय दिया गया था, लेकिन आज 10 महीने बीत जाने के बाद भी अधिकारी सिर्फ जांच चलने का रोना रो रहे हैं। अभ्यर्थियों का साफ कहना है कि जो फर्जी हैं उन्हें तुरंत बाहर किया जाए, लेकिन सही अभ्यर्थियों को परेशान न किया जाए।

देश के जवानों का टूटता मनोबल

इस आंदोलन में कई ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल हैं जो भारतीय नौसेना (Navy) से 15 साल तक देश की सेवा करने के बाद रिटायर होकर आए हैं। एक पूर्व सैनिक ने अपना दर्द व्यक्त करते हुए बताया कि देश की सेवा करने के बाद उन्हें यहां खेल कोटे से चयनित होने पर भी संदिग्ध बना दिया गया है, जो उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने बताया कि वे सरकार की हर ड्यूटी जैसे बीएलओ (BLO), जनगणना और खेल उत्सवों में पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं, फिर भी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मिलने पर उन्हें सिर्फ जांच का हवाला देकर टाला जा रहा है।

आमरण अनशन और उग्र आंदोलन की चेतावनी

शिक्षा संकुल के साथ-साथ बीकानेर निदेशालय के सामने भी अभ्यर्थियों का धरना लगातार जारी है। नौतपा की इस तपती धूप में कई अभ्यर्थियों की तबीयत खराब हो चुकी है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर जल्दी ही उनके स्थायीकरण की कोई निश्चित तिथि घोषित नहीं की गई, तो वे इस आंदोलन को और उग्र बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वे किसी सरकारी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, बल्कि मजबूरन भूख हड़ताल और आमरण अनशन पर बैठेंगे और मंत्रियों की गाड़ियों के आगे लेट कर अपना विरोध दर्ज करवाएंगे।

जानिए आमेर एसडीएम कार्यालय के घेराव के पीछे का असली सच

-कागज पर लीक हुआ भविष्य, बूंद-बूंद को तरसी जनता

-कांग्रेस का देशव्यापी आंदोलन और आमेर में प्रदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । NEET UG 2026 परीक्षा में हुई कथित धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे पर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन, रैलियां और धरने आयोजित कर रही हैं । कांग्रेस का आरोप है कि मामले में अब तक केवल छोटे मोहरों (13 आरोपियों) को ही पकड़ा गया है, जबकि परीक्षा प्रणाली से खिलवाड़ करने वाले मुख्य "बड़े मगरमच्छ" अभी भी कानून की गिरफ्त से बाहर हैं । इसी कड़ी में राजस्थान के आमेर में स्थानीय विधायक प्रशांत शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आमेर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर गहरा रोष व्यक्त किया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा ।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ और आत्महत्या का बढ़ता दर्द

एसडीएम को ज्ञापन सौंपने के बाद आमेर के विधायक प्रशांत शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए इस पूरे घटनाक्रम को बेहद संवेदनशील बताया कहा कि लगभग 22 से 23 लाख छात्रों ने इस परीक्षा की तैयारी की थी । सरकार की विफल नीतियों और पेपर लीक के कारण रात-दिन मेहनत करने वाले होनहार छात्रों का मनोबल पूरी तरह टूट चुका है । कई परिवारों ने भारी कर्ज लेकर बच्चों को पढ़ाया था लेकिन इस विफलता से हताश होकर कुछ छात्रों को आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम तक उठाना पड़ा है । विधायक ने सीकर के एक छात्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उसके परिवार ने घर गिरवी रखकर ₹1.5 लाख की व्यवस्था की थी ।

ऐतिहासिक नगरी आमेर में बूंद-बूंद पानी के लिए त्राहि-त्राहि

इस प्रदर्शन में केवल पेपर लीक का ही मुद्दा नहीं था, बल्कि क्षेत्र में गहराते बिजली और पानी के संकट को लेकर भी स्थानीय प्रशासन को घेरा गया । विधायक प्रशांत शर्मा ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भीषण गर्मी (43 डिग्री तापमान) और नौतपा के इस दौर में भी आम जनता के लिए पानी के टैंकरों और सुचारू पेयजल की कोई कंटिंजेंसी व्यवस्था नहीं की गई है । उन्होंने चिंता जताई कि यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल ऐतिहासिक आमेर शहर में जब पानी की यह बदतर स्थिति है , तो सुदूर ग्रामीण इलाकों की क्या स्थिति होगी।

सरकार पर दबाव और अंतिम सांस तक लड़ाई का संकल्प

विधायक प्रशांत शर्मा ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार इस गंभीर मामले पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं करती, तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन थमने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और वे सड़क से लेकर सदन तक इस लड़ाई को अंतिम स्तर तक जारी रखेंगे । इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के दावों तथा बयानों को भी जनता की उम्मीदों और जमीनी सच्चाई से परे बताया।

राजेन्द्र कुमार बैरवा बने समर्पण संस्था के ब्रांड एम्बेसेडर

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । बैंक ऑफ बड़ौदा के सीनियर मैनेजर राजेन्द्र कुमार बैरवा को समर्पण संस्था का एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर बनाया गया है। इस अवसर पर संस्था के प्रतिनिधियों ने उनके निवास पर जाकर संस्था की विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी साझा की। मुलाकात के दौरान राजेन्द्र कुमार बैरवा ने अपनी माताजी की पुण्य स्मृति में समाजसेवा का सराहनीय संकल्प लिया। उन्होंने समर्पण संस्था के माध्यम से शैक्षिक सत्र 2026-27 में निर्धन एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करने की जिम्मेदारी स्वीकार की। संस्था के नियमानुसार उन्होंने एज्युकेशनल ब्रांड एम्बेसेडर के रूप में 21000 रुपए की सहयोग राशि संस्था के खाते में ट्रांसफर की। साथ ही निर्धारित आवेदन पत्र भरकर संस्था को सौंपा। संस्था पदाधिकारियों ने उनके इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। समर्पण संस्था लंबे समय से शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और जरूरतमंद लोगों की सहायता के क्षेत्र में कार्य कर रही है। संस्था ने राजेन्द्र कुमार बैरवा के इस सहयोग को प्रेरणादायक बताते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्थान हाईकोर्ट में 1 जून से 28 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सोमवार 1 जून से 28 जून तक हाईकोर्ट में ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा । ग्रीष्मकालीन अवकाश में जरूरी प्रकरणों की सुनवाई की जा रही, मुख्यपीठ जोधपुर में 2 और खंडपीठ जयपुर में 3 बेंच कर रहीं सुनवाई, जोधपुर मुख्यपीठ में एक खंडपीठ व एक एकलपीठ कर रहीं सुनवाई, वहीं जयपुर में एक खंडपीठ और दो एकलपीठ कर रहीं सुनवाई, सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक प्रकरणों की सुनवाई होगी ।

हजारों लोगों के साथ मुस्लिम समाज की पद यात्रा

-गौमाता को राष्ट्रीय पशु बनाने की माँग

-धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना बंद करे भाजपा, गौ माता को राष्ट्रीय पशु बनाए: खाचरियावास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गौ माता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने और गौ हत्या व गौ तस्करी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर रविवार 31 मई 2026 को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जयपुर में विशाल पद यात्रा निकाली। यह पद यात्रा पार्षद अजरुद्दीन, आफताब गोरान एवं जिशान पठान मस्जिद कुरैशी, अरशद ख़ान, एहसान ख़ान, अयूब ख़ान के नेतृत्व में आयोजित की गई । जिसमें बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग, युवा एवं गौ भक्त शामिल हुए। इस यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। युवाओं ने "गौ माता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दो", "गौ हत्या बंद करो", "गौ तस्करी बंद करो" और "गौ माता के हत्यारों को फांसी दो" जैसे नारों के साथ रैली में भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप

सिंह खाचरियावास भी पदयात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर एवं मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया।

खाचरियावास ने कहा कि भाजपा केवल हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई के नाम पर वोट मांगने तथा लोगों को आपस में लड़ाने की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि आज मुस्लिम समाज के हजारों लोगों ने गौ रक्षा और गौ माता के सम्मान के लिए सड़कों पर उतरकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज गाय को विशेष सम्मान दिलाने की मांग कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का दोहरा चरित्र जनता के सामने आ चुका है। यदि भाजपा वास्तव में गाय और गौरक्षा के प्रति गंभीर है तो उसे गौमाता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करने के बजाय सरकार को गौ संरक्षण के लिए प्रभावी निर्णय लेने चाहिए।

जयपुर हाईकोर्ट से जाहंगीर अली को मिली नियमित जमानत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ ने जाहंगीर अली पुत्र मोहम्मद निवासी संजय नगर-बी, झोटवाड़ा, जयपुर को नियमित जमानत प्रदान की है। यह आदेश माननीय न्यायाधीश प्रवीर भटनागर द्वारा S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 8367/2026 में पारित किया गया। मामला थाना गांधी नगर (जयपुर पूर्व) में दर्ज एफआईआर संख्या 03/2026 से संबंधित है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराएँ लगाई गई थीं। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शोएब मिर्जा ने पैरवी करते हुए अदालत के समक्ष पक्ष रखा कि आरोपी को प्रकरण में झूठा फंसाया गया है तथा उसके विरुद्ध पूर्व में कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जाहंगीर अली को नियमित जमानत पर रिहा करने का आदेश पारित किया। बचाव पक्ष ने इसे न्याय की जीत बताया है।

गैंगरेप पीड़ित छात्रा के परिवार से मिलकर सख्त कार्रवाई करें मुख्यमंत्री- खाचरियावास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि परिचित के साथ मंदिर गई छात्र के साथ गैंगरेप की घटना ने पूरे समाज को हिला कर रख दिया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े के अनुसार भारत सरकार ने राजस्थान को बलात्कार में नंबर वन बताया है। ऐसे में एक बार फिर एक छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना से लोगों में दहशत व्याप्त है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरंत प्रभाव से गैंगरेप पीड़ित छात्रा से मिलकर इस मामले में सबसे सख़्त कार्रवाई करनी चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि मुख्यमंत्री आज तक किसी भी बलात्कार पीड़ित महिला से नहीं मिले ना उनके परिवार से मिलकर कभी ऐसे मामलों में एक जनसेवक की भूमिका निभाई। उनकी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे मामलों में वह खुद बलात्कार पीड़ित परिवार से मिलें जिससे ऐसे

मामलों में सख्त कार्रवाई हो सके और सरकार की गंभीरता नजर आए। खाचरियावास ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई, जनता की सुनने वाला कोई नहीं है। चेन तोड़न, किडनैप माफिया, भू-माफिया, लूट, डकैती की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि मंत्री गौतम दक ने जिस तरह से पुलिस को मां बहन की गालियां दी हैं उससे भाजपा सरकार का असली चाल चरित्र चेहरा सामने आ गया है। भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को उनकी गाली का वीडियो जनता के सामने रखना चाहिए व बताना चाहिए कि यदि मंत्री इस तरह से पुलिस के लोगों को मां बहन की गालियां देंगे तो जनता में क्या संदेश जाएगा। भाजपा सरकार का असली चरित्र आज मंत्रियों की अभद्र भाषा में सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को बताना चाहिए क्या यह बीजेपी का असली चाल चरित्र चेहरा है। यदि भाजपा के मंत्री इस तरह से गालियां देंगे तो आम आदमी सरकार पर भरोसा कैसे करेगा। यदि मंत्री गालियां देंगे तो सरकार का भरोसा पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

हाजी कयूम कुरैशी (कुरैशी रोडवेज वालों) का इंतक़ाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हाजी कयूम कुरैशी (कुरैशी रोडवेज वालों) का इंतकाल ईद से दो दिन पहले 26 मई 2026 को हो गया है। हाजी कयूम एक नेक दिल इंसान थे और साधा जीवन उच्च विचार वाले व्यक्ति थे। हाजी साहब ने कुरैशी रोडवेज की स्थापना की और बड़ी मेहनत से आगे बढ़ाया। हाजी साहब दिल खोलकर गरीबों, मज़लूमों एवं मज़हबी कामों में सहायता किया करते थे। हाजी साहब रोजाना सुबह सेंट्रल पार्क में व्यायाम (पैदल चलना) करना उनकी आदत में था। अल्लाह

तआला उनकी मगफिरत फरमाए और जन्नतुल फिरदौस में आल्हा से आल्हा मुकाम अता फरमाए। आमीन सुम्मा आमीन

हिंदू-मुस्लिम भाईचारा और कौमी एकता पर पैगाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत की मिट्टी की खुशबू ही "अनेकता में एकता" है। यहां मंदिर की घंटी और मस्जिद की अज़ान एक साथ गूंजती हैं। दीवाली के दीये और ईद का चांद एक ही आसमान को रोशन करते हैं। यही हमारा हिंदुस्तान है। हज़रत इब्राहीम अ.स. की कुर्बानी का पैगाम हो या भगवान राम का वनवास - दोनों हमें त्याग, सब्र और दूसरों के लिए जीना सिखाते हैं। गीता कहती है "वसुधैव कुटुम्बकम्" और कुरआन कहता है "सारे इंसान एक उम्मत हैं"। मकसद एक ही है - इंसानियत। जयपुर की गलियों में देखो - जौहरी बाजार में हिंदू कारीगर ताज़िया बनाता है, रामगंज में मुस्लिम भाई दशहरे के रावण के पुतले में रंग भरता है। होली पर गुलाल और ईद पर सेवइयां एक-दूसरे के घर जाती हैं। ये रिश्ता सियासत का नहीं, दिलों का है। नफरत की आग में वोट भले सिक जाएं, पर रोटी नहीं सिकती। दंगा किसी का घर जलाता है तो धुआं हम सबकी आंखों में लगता है। मुल्क तरक्की तभी करेगा जब हिंदू-मुस्लिम कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। डॉक्टर, फौजी, किसान, मजदूर - सबका मजहब पहले हिंदुस्तानी है। मैं अलीमुद्दीन कुरैशी (वर्किंग प्रेसिडेंट राजस्थान जयपुर हेरीटेज) जयपुर हेरीटेज की जनता से वादा करता हूं कि मोहब्बत की इस डोर को टूटने नहीं दूंगा। ईद हो या दीवाली, गुरुपर्व हो या क्रिसमस - हम सब एक दूजे के त्यौहार मनाएंगे।

आओ अहद करें:

1. अफवाहों से बचेंगे, सच्चाई परखेंगे।
2. पड़ोसी की मदद पहले करेंगे, उसका मज़हब बाद में पूछेंगे।
3. अपने बच्चों को नफरत नहीं, तिरंगे का पाठ पढ़ाएंगे।

"मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी हैं हम वतन है हिंदुस्तान हमारा।"

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में जयपुर जिले में 3500 से अधिक नागरिकों ने निभाई सहभागिता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के अंतर्गत ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को जयपुर जिले में विभिन्न विभागों, पंचायत समितियों, नगरीय निकायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं आमजन की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्रातः जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र, चौगान स्टेडियम से वंदे गंगा पैदल रैली एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली को खेल अधिकारी मानसिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। पंचायत समिति शाहपुरा क्षेत्र में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत कुल 61 गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें लगभग 2068 नागरिकों ने भागीदारी निभाई। क्षेत्र में प्रभात फेरियां, जनजागरूकता रैलियां

एवं साइकिल रैलियां आयोजित कर जल संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। शाहपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मनोहरपुरा में ग्रामीणों एवं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से पौधारोपण, जल संरक्षण संरचनाओं की साफ सफाई, श्रमदान, डी सिल्टिंग तथा स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। ग्रामवासियों ने सामुदायिक श्रमदान के माध्यम से जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान करने का संकल्प लिया। पंचायत समिति मौजमाबाद की समस्त ग्राम पंचायतों में वंदे गंगा जल जागरूकता रैली एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में लगभग 125 जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के महत्व पर विशेष जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। कोटखावदा ब्लॉक में प्रभात फेरी, जागरूकता रैली एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका दूदू क्षेत्र में वंदे गंगा प्रभात फेरी, जागरूकता रैली, जल स्रोतों की साफ सफाई, बावड़ियों एवं खेलियों की सफाई, जल सेवा, परिंडे स्थापना, पशुओं हेतु पेयजल व्यवस्था, हनुमान सागर बांध पर दीप प्रज्वलन तथा नो - प्लास्टिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में लगभग 450 नागरिकों ने भाग लिया। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने भी स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई।

मशहूर शहनाई वादक नज़र मोहम्मद का इंतक़ाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर के मशहूर शहनाई वादक नज़र मोहम्मद का 27 मई 2026 को इंतक़ाल हो गया। उनके इंतक़ाल की ख़बर से फनी, समाजी और अवामी हल्कों में ग़म की लहर दौड़ गई। वह अपनी शहनाई की दिलकश धुनों की वजह से बरसों तक लोगों के दिलों पर राज करते रहे। मरहूम नज़र मोहम्मद ने अपनी पूरी ज़िंदगी फ़न की ख़िदमत में गुज़ारी। शादी-ब्याह, मज़हबी और साक़ाफ़ती तक़रीबों में उनकी शहनाई की आवाज़ महफ़िल की जान हुआ करती थी। उनकी कला को दूर-दराज़ इलाकों में भी खूब पसंद किया जाता था। मरहूम सादा मिज़ाज, ख़ुशअख़लाक़ और अपने फ़न के प्रति बेहद समर्पित थे। उनके इंतक़ाल से इलाके ने एक ऐसे फ़नकार को खो दिया

है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। अहल-ए-इलाका, फ़नकार बिरादरी और उनके चाहने वालों ने गहरे दुख का इज़हार करते हुए उन्हें ख़िराज-ए-अक़ीदत पेश किया है। लोगों का कहना है कि मरहूम नज़र मोहम्मद की शहनाई की मधुर धुनें और उनकी यादें हमेशा ज़िंदा रहेंगी। अल्लाह तआला मरहूम की मग़फ़िरत फ़रमाए और उन्हें जन्नतुल फ़िरदौस में आला मक़ाम अता करे। आमीन।

नगर निगम ने घाटगेट से अतिक्रमण हटाया

-25 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किम्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 17 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर

सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किम्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 17 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

एसएमएस स्टेडियम में 12 जून को जुटेगा किसानों का महाकुंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को प्रांतीय मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने की।

इस उच्च स्तरीय बैठक में राजस्थान में प्राकृतिक खेती (Natural Farming) को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 12 जून को जयपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने बताया कि आगामी 12 जून को सवाई मान सिंह (एसएमएस) स्टेडियम में एक विशाल एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों को पारंपरिक रासायनिक खेती छोड़ पर्यावरण और स्वास्थ्य अनुकूल प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित करना है।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की टीम देगी गुरुमंत्र

इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि इसमें प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना चुके गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और उनकी विशेषज्ञ टीम विशेष रूप से जुड़ने आएगी। राज्यपाल एवं उनकी टीम खुद राजस्थान के प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर, जीवामृत तैयार करने की विधि, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके और कम लागत में अधिक मुनाफे के व्यावहारिक सूत्र सिखाएंगी। इस कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहेंगे।

हर मंडल से चुने जाएंगे 5 किसान, प्रत्येक जिले से 150 की भागीदारी

कार्यक्रम को पूरी तरह जमीनी और प्रभावी बनाने के लिए संगठन स्तर पर एक त्रिस्तरीय चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। भाजपा किसान मोर्चा की जिला इकाइयां पार्टी के प्रत्येक संगठनात्मक मंडल से 5-5 ऐसे जागरूक किसानों का चयन करेंगी जो प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक हैं। प्रत्येक मंडल से चयनित इन नामों को संकलित कर हर जिले से कुल 150 किसानों की सूची तैयार की जाएगी। जिला इकाइयां इन सभी चयनित किसानों की अंतिम सूची तुरंत मोर्चा के प्रदेश कार्यालय को भेजेंगी, जिन्हें 12 जून को जयपुर में मुख्य प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

बैठक के दौरान कैलाश चौधरी ने इस प्रांतीय कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए उपस्थित किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों और जिलाध्यक्षों को अलग-अलग संगठनात्मक दायित्व सौंपे। उन्होंने साफ कहा कि इस आयोजन में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओपी यादव, रेवंत सिंह राजपुरोहित, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी व मोर्चों के जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।कैलाश चौधरी ने संगठनात्मक एकजुटता और प्राकृतिक खेती के मिशन पर जोर देते हुए कहा कि आगामी 12 जून को किया जा रहा प्रशिक्षण कैंप राजस्थान की कृषि व्यवस्था और हमारे अन्नदाता के जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव की नींव है।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

99. बंगाल विभाजन कब हुआ?
(A) 1903 ई. (B) 1905 ई.
(C) 1907 ई. (D) 1911 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: लॉर्ड कर्जन ने 1905 ई. में बंगाल का विभाजन किया, जिससे स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ।

100. 'स्वदेशी आंदोलन' का नारा किसने दिया?
(A) बाल गंगाधर तिलक
(B) बिपिन चंद्र पाल
(C) लाला लाजपत राय
(D) अरविंद घोष
उत्तर: (A)
व्याख्या: तिलक ने "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का नारा दिया।

101. 'गदर पार्टी' की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) लंदन (B) सान फ्रांसिस्को
(C) पेरिस (D) दिल्ली
उत्तर: (B)
व्याख्या: गदर पार्टी की स्थापना 1913 ई. में सान फ्रांसिस्को (अमेरिका) में हुई थी।

102. 'होम रूल आंदोलन' किसने प्रारंभ किया?
(A) महात्मा गांधी
(B) बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट
(C) गोखले (D) नेहरू
उत्तर: (B)
व्याख्या: तिलक और एनी बेसेंट ने 1916 ई. में होम रूल आंदोलन प्रारंभ किया।

103. 'लखनऊ समझौता' कब हुआ?
(A) 1915 ई. (B) 1916 ई.
(C) 1918 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1916 ई. में कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौता हुआ।

104. 'रॉलेट एक्ट' कब पारित किया गया?
(A) 1917 ई. (B) 1918 ई.
(C) 1919 ई. (D) 1920 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: 1919 ई. में रॉलेट एक्ट पारित किया गया, जिससे बिना मुकदमे के गिरफ्तारी की अनुमति मिलती थी।

105. जलियांवाला बाग हत्याकांड कब हुआ?
(A) 1918 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1921 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को जनरल डायर ने अमृतसर के जलियांवाला बाग में निहत्थे लोगों पर गोली चलवाई।

106. असहयोग आंदोलन कब आरंभ हुआ था?
(A) 1918 ई. (B) 1919 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1922 ई.
उत्तर: (C)
व्याख्या: महात्मा गांधी ने 1920 ई. में असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन का बहिष्कार था।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

जॉब्स खबर

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 821 पदों पर भर्ती

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई (SBI) में 800 से अधिक पदों पर भर्तियां निकली हैं। ये भर्तियां संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के बेसिस पर की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एसबीआई के रिटायर्ड ऑफिसर्स को ही इस भर्ती के लिए चुना जाएगा।

आवेदन शुरू :
14 मई से 11 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एसबीआई से खासतौर से 60 साल की उम्र में रिटायर होना चाहिए। अधिकारियों को MMGS-III, SMGS-IV/V, या TEGS-VI की सैलरी में रिटायर होना चाहिए। रिटायर ऑफिसर के पास क्रेडिट, ऑडिट या फॉरेक्स यूनिट में काम करने का एक्सपीरियंस होना चाहिए।

एज लिमिट :
अधिकतम 63 साल
नियुक्ति अधिकारी के 65 साल की उम्र होने तक जारी रह सकती है।

सिलेक्शन प्रोसेस :
शॉर्टलिस्टिंग
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
एसबीआई की करियर वेबसाइट www.sbi.bank.in पर जाएं।

रेलवे में ALP की 11,127 भर्ती

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने असिस्टेंट लोको पायलट के 11,127 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है।

आवेदन शुरू :
15 मई से 14 जून 2026 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
ओबीसी : 3 साल की छूट
एससी/ एसटी : 5 साल की छूट

फीस :
अन्य सभी : 500 रुपए
एससी/ एसटी/ एक्स सर्विसमैन/ ट्रांसजेंडर/ ईबीसी : 250 रुपए

सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।

UPSSSC ने 170 पदों पर निकाली भर्ती

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 170 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
09 जून से 29 जून 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की 12वीं या सरकार द्वारा उसके समकक्ष अन्य परीक्षा पास की हो। वे ही उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने पीईटी - 2025 एग्जाम पास की हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई : 167.6 सेमी
सामान्य वर्ग की महिलाओं की न्यूनतम ऊंचाई : 160 सेमी
अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई : 152 सेमी
पुरुषों का सीना : न्यूनतम 84 सेमी (फुलाने पर) और रिजर्व कैटेगरी के लिए 82 सेंटीमीटर फुलाने पर हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी कैटेगरी के लिए : 25 रुपए

सैलरी:
21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाएं।

हेल्थ अपडेट्स

शक्कर छोड़ने के 7 फायदे

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मीठा खाना लगभग हर किसी की आदत बन चुका है। चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, मिठाइयां और पैक्ड फूड के जरिए हम जरूरत से ज्यादा चीनी का सेवन कर लेते हैं। हालांकि थोड़ी मात्रा में चीनी नुकसानदायक नहीं होती, लेकिन अधिक चीनी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकती है। अगर आप अपनी डाइट में मिलाई हुई चीनी (Added Sugar) कम कर दें, तो शरीर को कई बड़े फायदे मिल सकते हैं।

1. वजन नियंत्रण में मदद
अधिक चीनी शरीर में अतिरिक्त कैलोरी बढ़ाती है, जो धीरे-धीरे मोटापे का कारण बनती है। खासकर पेट के आसपास जमा होने वाली चर्बी डायबिटीज़ और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। चीनी कम करने से वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

2. ब्लड शुगर रहता है संतुलित
ज्यादा चीनी खाने से शरीर को अधिक इंसुलिन बनाना पड़ता है। समय के साथ शरीर इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो सकता है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज़ का खतरा बढ़ जाता है। चीनी कम करना ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।

3. दांत रहते हैं स्वस्थ
मुंह में मौजूद बैक्टीरिया चीनी को एसिड में बदल देते हैं, जो दांतों की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाता है। इससे कैविटी और दांतों की सड़न की समस्या बढ़ सकती है। चीनी कम खाने से दांत लंबे समय तक स्वस्थ बने रहते हैं।

4. मानसिक स्वास्थ्य को मिलता है लाभ
कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि अधिक चीनी का सेवन मूड और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। संतुलित भोजन और कम चीनी का सेवन डिप्रेशन के खतरे को कम करने में मददगार हो सकता है।

5. त्वचा बनती है बेहतर
अधिक चीनी शरीर में सूजन बढ़ाती है, जिससे मुंहासे और त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। चीनी कम करने से त्वचा स्वस्थ दिखती है और समय से पहले झुर्रियां आने का खतरा भी कम होता है।

6. लिवर की सुरक्षा
ज्यादा मात्रा में फ्रुक्टोज़ युक्त चीनी का सेवन नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज (NAFLD) का कारण बन सकता है। चीनी कम करने से लिवर पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता और उसकी कार्यक्षमता बेहतर बनी रहती है।

7. दिल की सेहत रहती है बेहतर
अधिक चीनी का सेवन ट्राइग्लिसराइड्स और खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है, जो हृदय रोगों का खतरा बढ़ाते हैं। चीनी कम करने से ब्लड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

कितनी चीनी है सुरक्षित?
विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना कुल कैलोरी का 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सा चीनी से नहीं आना चाहिए। महिलाओं के लिए लगभग 6 चम्मच और पुरुषों के लिए 9 चम्मच चीनी की सीमा उचित मानी जाती है। पूरी तरह चीनी छोड़ना जरूरी नहीं है, लेकिन मिलाई हुई चीनी का सेवन सीमित रखना बेहद जरूरी है। धीरे-धीरे चीनी कम करके आप वजन, दिल, त्वचा, दांत और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव करके एक स्वस्थ और संतुलित जीवन की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

राजस्थान में चुनावी तैयारी शुरू !

राजस्थान में वैसे विधानसभा चुनावों में करीब ढाई वर्ष का समय बचा है, लेकिन राजनीतिक दल अभी से चुनावी तैयारी मूड में दिखाई देने लगे हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं के बयानों में चुनावों की तैयारी झलकती है। विपक्ष का सबसे बड़ा दल कांग्रेस सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने लगा है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सरकार और उसके मंत्रियों पर लगातार आक्रामक बने हुए हैं। गोविंद सिंह डोटासरा को आरएसएस विरोधी कांग्रेस नेता माना जाता है। कांग्रेस में ऐसे कम ही नेता हैं जो आरएसएस के खिलाफ बोलने की हिम्मत रखते हैं। यही नहीं राजस्थान प्रदेश में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की जोड़ी भाजपा सरकार को हमेशा परेशान करती है। कांग्रेस पार्टी पेपर लीक मामले, भ्रष्टाचार एवं प्रदेश में बढ़ते अपराधों को लेकर भाजपा सरकार का सड़कों पर विरोध करती रहती है। भाजपा सरकार के मुखिया भजनलाल शर्मा प्रदेश में लगातार अपनी छवि और परफॉर्मेंस सुधारने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की भ्रष्ट ब्यूरोक्रेसी रास्ते का रोड़ा बनी हुई है। राजस्थान में एक लंबे समय से एक पार्टी की लगातार सरकार नहीं बनती है। फिर भी हर पार्टी की सरकार यही प्रयास करती है कि आगामी चुनावों में उसकी सरकार रिपीट हो। प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के अलावा सबसे ज्यादा चर्चित आरएलपी पार्टी हो रही है। आरएलपी के मुखिया हनुमान बेनीवाल ज्यादातर आंदोलन करते रहते हैं। कोई भी व्यक्ति किसी भी पार्टी और वर्ग का हो, हनुमान बेनीवाल उसका साथ देते मिल जाते हैं। हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार के खिलाफ आंदोलनों की झड़ी लगी हुई है। यही कारण है कि सरकार हनुमान बेनीवाल से भयभीत रहने लगी है। हनुमान बेनीवाल के आंदोलनों का आरएलपी को आगामी चुनावों में कितना फायदा पहुंचाएगा, यह तो वक्त बताएगा। क्योंकि जरुरी नहीं है कि आंदोलनों से चुनावों में बड़ी सफलता मिल जाए। हनुमान वैसे तो आंदोलन सभी वर्गों किसानों, मजदूरों के लिए करते हैं। लेकिन फिर भी राजनीति में जातिवाद हावी होने के कारण लोग उनसे बड़ी तादाद में नहीं जुड़ पा रहे हैं, विशेष कर दलित और मुस्लिम वर्ग। यदि अभी से आरएलपी से चंद्रशेखर की पार्टी और किसी मुस्लिम पार्टी से समझौता हो जाए तो जरूर फायदा हो सकता है। राजस्थान में कुछ निर्दलीय विधायक और छोटी पार्टियां भी प्रदेश की राजनीति में संघर्षशील हैं। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी भी अपने विधानसभा क्षेत्र और बाड़मेर जिले में आंदोलन करते रहते हैं। इसी तरह तीन बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके नरेश मीणा भी जनता के बीच काफी लोकप्रिय हैं और कभी भी किसी भी मुद्दे पर सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने की हिम्मत रखते हैं। यह सभी नेता और पार्टियां चुनाव की तैयारी करते दिखाई दे रहे हैं। भाजपा के लिए सुखद यह है कि यह सभी नेता अलग-अलग जाति समाज और विचारों के नेता हैं। जो कभी भी एक मंच पर नहीं आ सकते हैं। भाजपा के खिलाफ बड़ा विरोध होने के बाद भी आगामी चुनावों में भाजपा को बड़ा फायदा हो सकता है। विपक्षी नेता और पार्टियां इसी तरह सरकार का अलग-अलग मंचों से विरोध करती रहीं तो आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की सरकार रिपीट होने की संभावना बन जाएगी। भाजपा को हराने के लिए सभी विरोधी नेताओं को साथ आना होगा।

बशीर बद्र - उर्दू ग़ज़ल के शायर

"उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो ! न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए" !!

बशीर बद्र नई उर्दू ग़ज़ल के अद्वितीय, ताज़ा बयान शायर थे। जिन्होंने ग़ज़ल में नई शब्दों को शामिल करते हुई नए संवेदी आकृति तराशे और नए ज़माने के व्यक्ति के मनोविज्ञान और उसके भावात्मक तक़ाज़ों को व्यक्त किया। इन्होंने पारंपरिक विषयों की वैचारिक घेराबंदी और प्रगतिवाद व आधुनिकता की विचारधारा से आज़ाद रहते हुए आम आदमी के रोज़मर्रा के अनुभवों व अवलोकनों को ख़ूबसूरत शे'री अभिव्यक्ति देकर उर्दू भाषीय समुदाय के साथ साथ ग़ैर उर्दू भाषीय समुदाय से भी प्रशंसा प्राप्त किया। ग़ालिब के बाद ग़ैर उर्दू भाषीय समुदाय में सबसे ज़्यादा मशहूर और लोकप्रिय शायर बशीर बद्र हैं। बशीर बद्र की ग़ज़ल का समग्र माधुर्य पूरी तरह अपरंपरागत है। वो महबूब का हुस्न हो या दूसरे मज़ाहिर कायनात, बशीर बद्र ने इन सब का एहसास व अनुभूति एक ऐसे दृष्टिकोण से किया जो पूर्व और समकालीन शायरों से अलग है। बशीर बद्र की ग़ज़लों में एक नाज़ुक नाटकीय स्थिति मिलती है। उनके अशआर महज़ एक वारदात नहीं बल्कि एक कहानी बयान करते हैं जिस पर रूपक या प्रतीक की बारीक नक़ाब पड़ी होती है। वृतांतमक वातावरण रखने वाली सक्रिय आकृति बशीर बद्र की ग़ज़ल की विशेषता हैं। बशीर बद्र का ख़ास कारनामा ये है कि उन्होंने ग़ज़ल में ऐसे अनगिनत शब्द शामिल किए जिनको ग़ज़ल ने उनसे पहले स्वीकार नहीं किए थे। इस मुआमले में बशीर बद्र की कामयाबी का राज़ ये है कि इन्होंने बोल-चाल की ठेठ उर्दू को अपनाया। ऐसी आज़ाद ज़बान में नए शब्दों के खप जाने की गुंजाइश पारंपरिक अरबीकृत व फ़ारसीकृत भाषा की तुलना में ज़्यादा थी। बशीर बद्र की ग़ज़ल में शब्द व संवेदना की सतह पर ताज़गी, शगुफ़्तगी, काव्यात्मकता और सौंदर्य है जो उनकी ग़ज़ल को दूसरे शायरों से अलग करती है।

बशीर बद्र (असल नाम सय्यद मुहम्मद बशीर) 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तत्कालीन फ़ैजाबाद) में पैदा हुए। उनका पैतृक स्थान फ़ैज़ाबाद ज़िले का मौज़ा बक़िया है। उनके वालिद सय्यद मुहम्मद नज़ीर पुलिस के विभाग में मुलाज़िम थे। बशीर बद्र ने तीसरी जमात तक कानपुर के हलीम मुस्लिम कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की जिसके बाद वालिद का तबादला इटावा हो गया जहां मुहम्मद सिद्दीक़ इस्लामिया कॉलेज से इन्होंने हाई स्कूल का इम्तिहान पास किया। हाई स्कूल के बाद वालिद के देहांत के सबब उनकी शिक्षा का क्रम टूट गया और उनको 85 रूपये मासिक पर पुलिस की नौकरी करनी पड़ी। वालिद की मौत के बाद घर की ज़िम्मेदारियाँ इन ही के सर पर थीं। उनका रिश्ता वालिद की ज़िंदगी में ही अपनी चचाज़ाद बहन क़मर जहां से हो गई थी। पुलिस की नौकरी के दौरान ही उनकी शादी हो गई और तीन बच्चे भी हो गए। बशीर बद्र को शायरी का शौक़ बचपन से ही था। जब वो सातवीं जमात में थे उनकी ग़ज़ल नियाज़ फ़तहपुरी की पत्रिका "निगार" में छपी जिस पर इटावा के साहित्यिक मंडलियों में खलबली मच गई। 20 साल की उम्र को पहुंचे पहुंचते उनकी ग़ज़लें हिंदुस्तान और पाकिस्तान की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होने लगी थीं और साहित्य में उनकी शनाख़्त बन गई थी। शैक्षिक क्रम टूट जाने के कई साल बाद उन्होंने नए सिरे से अपनी शैक्षिक योग्यता बढ़ाने का फ़ैसला किया और जामिया अलीगढ़ के अदीब माहिर और अदीब कामिल परीक्षाएं पास करने के बाद अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी से बी.ए, एम.ए और पी.एचडी. की डिग्रियां हासिल कीं। पी. एचडी. में उनके पर्यवेक्षक प्रोफ़ेसर आल-ए-अहमद सुरूर थे और शोध का विषय "आज़ादी के बाद उर्दू ग़ज़ल का तन्क़ीदी मुताला" था। बी.ए के बाद उन्होंने 1967 में पुलिस की नौकरी छोड़ दी थी। वो यूनिवर्सिटी के वज़ीफ़े और मुशायरों की आमदनी से घर चलाते रहे।1974 में पी.एचडी. की डिग्री मिलने के बाद वो कुछ दिन अस्थाई रूप से अलीगढ़ यूनीवर्सिटी में पढ़ाते रहे फिर उनकी नियुक्ति मेरठ यूनीवर्सिटी में हो गई। इस अर्से में मुशायरों में उनकी लोकप्रियता बढ़ती रही। मई 1984 में जब वो एक मुशायरे के लिए पाकिस्तान गए हुए थे उनकी बीवी का देहांत हो गया। मुहल्ले वालों ने, जिनमें अक्सर ग़ैर मुस्लिम थे, उनका अंतिम संस्कार किया। 1987 के मेरठ फ़सादात में उनका घर लूट कर जला दिया गया।1986 में उन्होंने भोपाल की डाक्टर राहत सुलतान से शादी कर ली और कुछ दिनों बाद वहीं स्थाई रूप से बस गए। उम्र बढ़ने के साथ उनकी याददाश्त कमज़ोर होने लगी और आख़िरकार वो सब कुछ भूल गए। उनको ये भी याद न रहा कि कभी उनकी शिरकत मुशायरों की कामयाबी की ज़मानत हुआ करती थी।

1984 में प्रकाशित होने वाले अपने तीसरे काव्य संग्रह "आमद" में उन्होंने अपनी शायरी के बारे में बलंद बाँग दावे किए तो संजीदा क़ारईन को ये बात अच्छी नहीं लगी। इस संग्रह में 2035 के पाठकों के नाम एक ख़त था जिसमें कहा गया था 'आज 1985 की ग़ज़ल में मुझसे ज़्यादा मक़बूल-ओ-महबूब कोई शायर नहीं। आज ग़ज़ल के करोड़ों आशिक़ों का ख़्याल है कि नाचीज़ की ग़ज़ल उर्दू ग़ज़ल के कई सौ साला सफ़र में नया मोड़ है, मेरा उस्लूब आज की ग़ज़ल का उस्लूब बन चुका है। तन्क़ीद की बददियानती और ना फ़हमी के अक्सर हरबे अपने आप में महदूद हो गए हैं। मैं एतराफ़ करता हूँ कि आपके अह्द (2035) में जो ग़ज़ल रवाँ-दवाँ है उसका आग़ाज़ मुझ नाचीज़ के चराग़ों से हुआ।"

इसमें शक नहीं कि बशीर बद्र ने अपनी ग़ज़लों में नए दौर के नए विषयों, समस्याओं, विचार व राय से अपनी गहरी संवेदी, अंतर्ज्ञान, भावात्मक और बौद्धिक सम्बद्धता को एक अनोखी और आकर्षक अभिव्यक्ति देकर उर्दू ग़ज़ल में एक नए अध्याय का इज़ाफ़ा किया। बशीर बद्र ने आम जज़्बात को अवामी ज़बान में पुरफ़रेब सादगी से बयान कर दिए हैं जिसमें कोई आडंबर या बनावट नज़र नहीं आती। उनके अशआर में गांव और क़स्बात की सोंधी सोंधी मिट्टी की महक भी है और शहरी ज़िंदगी के तल्ख़ हक़ायक़ की संगीनी भी। बशीर बद्र की शायरी ने तग़ज़्ज़ुल को नया अर्थ प्रदान किया। ये तग़ज़्ज़ुल रुहानी और जिस्मानी मुहब्बत की अर्ज़ीयत और पारगमन का एक संयोजन है। गोपीचन्द नारंग के अनुसार "बशीर बद्र ने शायरी में नई बस्तियां आबाद की हैं। ये बात सच है कि यही उनका पोपुलर इमेज है लेकिन इमेज पूरे बशीर बद्र की नुमाइंदगी नहीं करता। उनकी शायरी वो ख़ुशबू है जो हमारा रिश्ता आरयाई मिज़ाज से, हमारी धरती से, गंग-ओ-जमन की वादी से और हिन्दी, बृज, अवधी बल्कि तमाम स्थानीय बोलियों से जोड़ती है।"

डॉ. बशीर बद्र की मृत्यु भोपाल में 28 मई 2026 को हो गई।

डॉ. बशीर बद्र को भारत सरकार ने पदमश्री के ख़िताब से नवाज़ा और उनको साहित्य अकादमी के अलावा विभिन्न प्रादेशिक उर्दू एकेडमियों ने भी एवार्ड दिए। बशीर बद्र के कलाम के छः संग्रह इकाई, इमेज, आमद, आस, आसमान और आहट प्रकाशित हो चुके हैं। उनका समग्र भी उपलब्ध है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : जनचेतना से लोकतंत्र तक

-बाबूलाल नागा

30 मई 1826 को जब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिंदी के पहले समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन शुरू किया, तब शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि यह छोटा-सा प्रयास आने वाले समय में करोड़ों लोगों की आवाज बन जाएगा। वर्ष 2026 हिंदी पत्रकारिता के लिए ऐतिहासिक पड़ाव है, क्योंकि यह केवल 200 वर्षों का उत्सव नहीं, बल्कि लोकतंत्र, जनसंघर्ष और अभिव्यक्ति की उस लंबी यात्रा का प्रतीक है जिसने समाज को दिशा देने का कार्य किया।

हिंदी पत्रकारिता का जन्म सत्ता की प्रशंसा के लिए नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और आमजन की आवाज बनने के लिए हुआ था। उस दौर में अंग्रेजी शासन के बीच हिंदी भाषी जनता तक सूचना पहुंचाना आसान नहीं था। संसाधनों की कमी, आर्थिक संकट और सरकारी दबाव के बावजूद पत्रकारिता ने सच कहने का साहस नहीं छोड़ा। यही कारण है कि हिंदी पत्रकारिता केवल समाचारों का माध्यम नहीं रही, बल्कि सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय अस्मिता का आंदोलन बन गई।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता ने अपने सबसे तेज और प्रभावशाली स्वरूप को देखा। अखबार उस समय हथियार हुआ करते थे और लेखनी क्रांति की भाषा बन चुकी थी। गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, बाबूराव विष्णु पराड़कर और बाल गंगाधर तिलक जैसे पत्रकारों ने सत्ता से सवाल पूछने का साहस दिखाया। अंग्रेजी शासन समाचार पत्रों से डरता था, क्योंकि उसे पता था कि जागरूक समाज किसी भी सत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती होता है। उस दौर की पत्रकारिता मिशन थी, व्यवसाय नहीं।

आजादी के बाद पत्रकारिता से उम्मीद थी कि वह लोकतंत्र को मजबूत करेगी, गांव-गरीब-किसान की आवाज बनेगी और सत्ता व जनता के बीच जवाबदेही का पुल तैयार करेगी। कुछ हद तक यह हुआ भी। हिंदी पत्रकारिता गांवों और कस्बों तक पहुंची। सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को मुख्यधारा में लाया गया। पत्रकारिता ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी पहचान मजबूत की।

लेकिन समय के साथ पत्रकारिता का चरित्र भी बदलता गया। बाजारवाद और कॉरपोरेट संस्कृति ने मीडिया संस्थानों की प्राथमिकताओं को प्रभावित किया। समाचार धीरे-धीरे "उत्पाद" बन गए और दर्शक "ग्राहक"। खबरों की जगह सनसनी ने ले ली। टीआरपी और क्लिक की दौड़ में पत्रकारिता का मूल उद्देश्य पीछे छूटने लगा। आज कई मीडिया संस्थानों में यह तय होने लगा है कि कौन-सी खबर दिखाई जाएगी और कौन-सी दबा दी जाएगी। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को नई ताकत भी दी है और नई चुनौतियां भी। आज मोबाइल फोन के जरिए कोई भी व्यक्ति सूचना का स्रोत बन सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है, लेकिन इसी के साथ फेक न्यूज, आधी-अधूरी जानकारी और प्रोपेगेंडा का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। बिना तथ्य जांचे खबरें वायरल हो जाती हैं और समाज में भ्रम पैदा करती हैं। ऐसे दौर में विश्वसनीय पत्रकारिता पहले से ज्यादा जरूरी हो गई है।

आज सबसे बड़ा संकट पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर खड़ा हुआ है। जब मीडिया सत्ता के सवाल पूछने के बजाय सत्ता का प्रचार करने लगे, जब गरीबों के मुद्दों की जगह स्टूडियो की चीख-पुकार सुर्खियां बनने लगे, तब लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। पत्रकारिता का काम सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सच के पक्ष में खड़ा होना है। लेकिन जब सच पर बाजार और सत्ता दोनों का दबाव बढ़ जाए, तब पत्रकारिता की परीक्षा शुरू होती है।

इसके बावजूद उम्मीद खत्म नहीं हुई है। देश के छोटे कस्बों, गांवों और दूरदराज क्षेत्रों में आज भी ऐसे पत्रकार मौजूद हैं जो सीमित संसाधनों में जनसरोकार की पत्रकारिता कर रहे हैं। ग्रामीण पत्रकारिता आज भी समाज की असली तस्वीर सामने लाने का काम कर रही है। किसान की आत्महत्या, दलित उत्पीड़न, जल संकट, बेरोजगारी और स्थानीय भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे अक्सर वैकल्पिक मीडिया के पत्रकार ही उठाते हैं। यही पत्रकारिता की असली ताकत है, जो लोकतंत्र को जिंदा रखती है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होना आत्ममंथन का अवसर भी है। यह समय केवल उपलब्धियों का जश्न मनाने का नहीं, बल्कि यह तय करने का है कि आने वाले वर्षों में पत्रकारिता किस दिशा में जाएगी। क्या मीडिया जनता की आवाज बना रहेगा या केवल बाजार और सत्ता का माध्यम बनकर रह जाएगा? क्या पत्रकारिता जनपक्षधरता बचा पाएगी? क्या सच अब भी खबरों का केंद्र रहेगा? यही वे सवाल हैं जिन पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता है।

तकनीक बदल सकती है, माध्यम बदल सकते हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल धर्म नहीं बदल सकता। पत्रकारिता की असली ताकत उसकी निष्पक्षता, संवेदनशीलता और जनविश्वास में होती है। यदि मीडिया जनता का भरोसा खो देता है, तो लोकतंत्र की बुनियाद भी कमजोर होने लगती है।

हिंदी पत्रकारिता के इन 200 वर्षों की यात्रा संघर्ष, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी की कहानी है। यह यात्रा हमें सिखाती है कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। जब कलम सच लिखती है, तब समाज जागता है और जब समाज जागता है, तब लोकतंत्र मजबूत होता है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों, संपादकों और लेखकों को नमन, जिन्होंने अपनी लेखनी से समाज को दिशा दी। साथ ही नई पीढ़ी के पत्रकारों से उम्मीद है कि वे तकनीक और बाजार के इस दौर में भी पत्रकारिता के मूल्यों को बचाए रखेंगे। क्योंकि अंततः पत्रकारिता का सबसे बड़ा धर्म सत्ता नहीं, बल्कि सच और समाज होता है।

आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू

पुण्यतिथि पर विशेष....

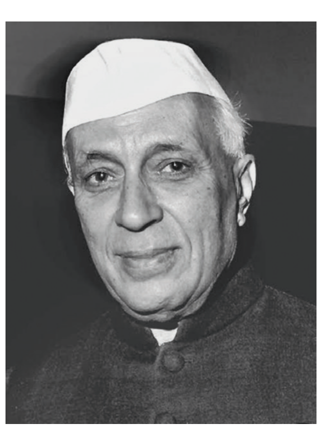

पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता, देश के पहले प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत की नींव रखने वाले व्यक्तित्वों में से एक थे। उनका जीवन, विचार और कार्य आज भी भारतीय राजनीति, शिक्षा और विकास की दिशा को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रारंभिक जीवन

जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में एक समृद्ध कश्मीरी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू प्रसिद्ध वकील और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े नेता थे, जबकि उनकी माता स्वरूप रानी एक दृढ़ व्यक्तित्व वाली महिला थीं, बचपन में कम उम्र में ही उन्हें उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड भेजा गया। उन्होंने हैरो स्कूल और फिर कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के ट्रिनिटी कॉलेज में अध्ययन किया, जहाँ से उन्होंने प्राकृतिक विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, इसके बाद उन्होंने इनर टेंपल से कानून की पढ़ाई पूरी की और वकालत की दुनिया में कदम रखा। भारत लौटने के बाद नेहरू का मन धीरे-धीरे वकालत से अधिक देश की राजनीति और स्वतंत्रता आंदोलन की ओर झुक गया, 1916 में उनकी पहली भेंट महात्मा गांधी से हुई, जिसने उनके राजनीतिक जीवन को गहराई से प्रभावित किया। नेहरू कांग्रेस के भीतर तेज़ी से उभरे और उन्होंने किसानों, युवाओं तथा आम जनता के मुद्दों को प्रमुखता दी, 1920–22 के असहयोग आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भाग लिया और इस कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा। आगे चलकर वे कांग्रेस के महासचिव बने।

प्रधानमंत्री के रूप में कार्य

15 अगस्त 1947 को भारत के स्वतंत्र होने के बाद जवाहरलाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने और 27 मई 1964 तक इस पद पर रहे। यह समय भारत के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि देश विभाजन, शरणार्थी समस्या, आर्थिक कमजोरियों और संस्थागत निर्माण जैसे अनेक संकटों से गुजर रहा था। नेहरू ने लोकतांत्रिक व्यवस्था, संसदीय शासन और धर्मनिरपेक्षता को भारत की बुनियादी पहचान बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पंचवर्षीय योजनाओं, सार्वजनिक क्षेत्र के विकास, उद्योगों और वैज्ञानिक संस्थानों को बढ़ावा दिया। उनका विश्वास था कि भारत का भविष्य आधुनिक विज्ञान, तकनीकी प्रगति और शिक्षा के विस्तार में है, इसी कारण वे IIT, AIIMS, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र जैसी संस्थागत सोच को महत्व देने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। विदेश नीति के क्षेत्र में नेहरू ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विचार और लेखन

नेहरू की पहचान एक विचारशील लेखक और गहरे मानवतावादी के रूप में भी होती है, उनकी प्रमुख कृतियों में Discovery of India और Glimpses of World History शामिल हैं, ये पुस्तकें उनके ज्ञान, इतिहास-बोध और विश्व दृष्टि को स्पष्ट करती हैं। जेल में रहते हुए उन्होंने अपनी आत्मकथा Toward Freedom लिखी, जो उनके जीवन और राजनीतिक यात्रा को समझने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है, उनकी लेखनी में इतिहास, संस्कृति, विज्ञान और समाज के प्रति व्यापक दृष्टिकोण दिखाई देता है।

बच्चों से संबंध

नेहरू को बच्चों से विशेष स्नेह था, इसलिए वे "चाचा नेहरू" के नाम से लोकप्रिय हुए, वे मानते थे कि बच्चों में देश का भविष्य बसता है, इसलिए उनके विकास और शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनके जन्मदिन 14 नवंबर को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। जवाहरलाल नेहरू केवल भारत के पहले प्रधानमंत्री नहीं थे, बल्कि वे एक ऐसे राष्ट्रनिर्माता थे जिन्होंने स्वतंत्र भारत के सपने को संस्थागत रूप देने के प्रयास किया। उनका जीवन संघर्ष, अध्ययन, नेतृत्व और दूरदृष्टि का संगम था बच्चों से उनके प्रेम, विज्ञान में विश्वास और लोकतंत्र के प्रति निष्ठा ने उन्हें भारतीय इतिहास में स्थायी स्थान दिलाया।

औरत और हया

सर पर दुपट्टा रखने से औरत अल्लाह की रहमत के साये में रहती है। हया बड़ी दौलत है और जो औरत इस दौलत को संभाल कर चलती है कभी कंगाल नहीं होती।

एक बार हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने बेटी फातिमा से पूछा बेटी बताओ सबसे बढ़िया औरत कौन सी है? बेटी फातिमा ने फरमाया वह औरत जिस पर किसी मर्द की निगाह ना पड़े और ना ही उसकी निगाह किसी मर्द पर पड़े, वह सबसे बेहतरीन औरत है। आज हमारे मआशरे का हाल देखिए औरतों का चलना, फिरना कपड़े वगैरह सब कुछ ऐसा है जिसमें हया का लिबास बहुत ही कम मिलता है। शैतान का पहला शिकार हया होती है एक बार बन्दा बेहया हो जाए फिर उसे कोई बुराई बुराई नहीं लगती और बेहयाई तमाम बुराइयों की जड़ है।

मर्द और निगाह

जिस तरह औरत के लिए हया को उसका जैवर बताया है उसी तरह मर्द की निगाह भी उसके बुराइयों से बचने का हथियार है। पराई औरत पर मर्द की पहली अंजाने में पड़ी निगाह माफ, दूसरी बार निगाह डाली तो वो आँख का ज़िना है फिर जितनी बार डालें उतनी ही बार ज़िना है। ज़िना बहुत बड़ा गुनाह है लेकिन अगर निगाह की हिफाज़त का ख्याल रखने की आदत ना हो तो दिन भर में उठते बैठते कई बार हम इस निगाह के ज़िना को हम कर जाते हैं और हमें इसका अहसास भी नहीं होता।

असल में कोई भी बुराई पहली बार की तो वो बुराई लगती है लेकिन बार बार करने पर वो बुराई बुराई लगना ही बन्द हो जाती बल्कि उस बुराई को करने में लज्जत महसूस होती है शैतान इसको दिल में डाल देता है।

इससे बचने का तरीका है हम अपने आप के अमलों पर गौर ओ फिक्र करें, बुराई हो जाने पर खुद को नदामत करें, आगे बचने की कोशिश करें। ये शब-रोज़ हो तब ही हम बहुत-सी बुराइयों से बच सकते हैं।

अल्लाह हमें बुराइयों पर गौर ओ फिक्र करने, उनसे बचने की तौफीक अता करे। आमीन

देश के मुसलमानों की अपनी मेहनत से सफलता और राष्ट्र को योगदान की कहानियाँ

मुख्यधारा के विमर्श में अक्सर भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर और पीड़ित के रूप में चित्रित किया जाता है। फिर भी हाल के वर्षों में सफलता की कहानियों में उछाल आया है जो इस एक-आयामी छवि को चुनौती देती हैं। ये भारतीय मुसलमानों द्वारा विज्ञान, कला, व्यवसाय और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की कहानियाँ हैं, जो राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करती हैं। ये उदाहरण एक ऐसी वास्तविकता को रेखांकित करते हैं जो पीड़ित होने से परे है: एक ऐसा समुदाय जो उच्चतम स्तर पर योगदान दे रहा है और बदलती संरचनात्मक परिस्थितियों से सशक्त है जो उनकी प्रतिभाओं को फलने-फूलने में सक्षम बनाती हैं।

आज़ादी के बाद के शुरुआती दशकों में, भारत में मुसलमानों ने अनुसंधान और शिक्षा जगत में सेवा करने के अवसरों को अपनाया, जिससे देश की वैज्ञानिक क्षमता का निर्माण हुआ। यह परंपरा जारी है: उदाहरण के लिए, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता, वायरोलॉजिस्ट डॉ. शाहिद जमील ने महामारी के दौरान भारत के SARS-CoV-2 जीनोम अनुक्रमण संघ (IN-SACOG) का नेतृत्व किया, जिसने नवीन विज्ञान में मुस्लिम प्रतिनिधित्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। शैक्षणिक नेतृत्व में मुस्लिम महिलाओं का उदय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर नजमा अख्तर ने जामिया मिलिया इस्लामिया की पहली महिला कुलपति के रूप में नई कीर्तिमान स्थापित किया, एक ऐसा कार्यकाल जिसके लिए उन्हें 2022 में पद्मश्री और यहां तक कि 2023 में उनकी सेवा के लिए मानद कर्नल कमांडेंट की उपाधि भी मिली। लगभग उसी समय, प्रोफेसर नईमा खातून अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के 123 साल के इतिहास में कुलपति नियुक्त होने वाली पहली महिला बनीं, जो समावेशिता की ओर संस्थागत बदलावों का एक शक्तिशाली प्रतीक है। व्यापार और उद्यमिता में भी, भारतीय मुसलमान अपनी पहचान बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी न केवल एक प्रतिष्ठित व्यावसायिक नेता हैं, बल्कि देश के अग्रणी परोपकारी लोगों में से एक भी हैं; 2023 में, वे भारत के दूसरे सबसे उदार दाता थे, जिन्होंने शिक्षा जैसे कार्यों के लिए ₹1,774 करोड़ (पिछले वर्ष से 267% की वृद्धि) दिए। सौंदर्य प्रसाधन की दिग्गज शहनाज़ हुसैन ने भारत के हर्बल सौंदर्य उद्योग का बीड़ा उठाया और इसे 400 से अधिक वैश्विक फ्रेंचाइजी तक विस्तारित किया। प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद ज़ाकिर हुसैन को संगीत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2023 में पद्म विभूषण (देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया। फिल्म उद्योग से लेकर शास्त्रीय कलाओं तक, भारतीय मुसलमान सांस्कृतिक जीवन में अग्रणी रहे हैं,

अपने मंचों का उपयोग विभाजन को पाटने और बहुलवाद का उदाहरण पेश करने के लिए करते रहे हैं। चाहे सिनेमा में हो या पद्म पुरस्कारों में, उनकी सफलता और पहचान इस बात को रेखांकित करती है कि वे भारत की कहानी के लिए बाहरी नहीं हैं, बल्कि इसकी कलात्मक और सांस्कृतिक उपलब्धियों के केंद्र में हैं।उपलब्धियों का यह आख्यान, पीड़ित होने की छवि की तुलना में भारतीय मुसलमानों का कहीं अधिक समृद्ध और सटीक चित्रण करता है। ये क्रमिक संरचनात्मक परिवर्तनों को भी दर्शाते हैं: बेहतर शैक्षिक उपलब्धि, विविधता के लिए संस्थागत समर्थन और योग्यता के आधार पर सार्वजनिक सम्मान ने अधिक मुसलमानों को अपने चुने हुए क्षेत्रों में खुलकर आगे बढ़ने में सक्षम बनाया है। आज, भारतीय मुसलमानों में मिसाइल वैज्ञानिक, कुलपति, साहित्यकार, व्यवसायी, फिल्मी हस्तियाँ और क्रिकेट सितारे शामिल हैं जो सक्रिय रूप से अपने समुदाय और भारत की कहानी को आकार देते हैं। राष्ट्रीय मंच पर इन योगदानों को प्रदर्शित करने वाला मीडिया और संस्थान धीरे-धीरे पीड़ित आख्यान को चुनौती दे रहे हैं और भारतीय मुसलमानों को भारत की प्रगति में समान हितधारक के रूप में स्वीकार कर रहे हैं, जिनकी पहचान हाशिए पर होने से नहीं, बल्कि समाज में उनकी असंख्य सफलताओं और योगदानों से परिभाषित होती है।

ब्रीफ खबरें

अंता में साइकिल रैली से दिया जल संरक्षण का संदेश

-देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने वंदे गंगा अभियान की महत्ता बताई

बारां (रॉयल पत्रिका)। वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत रविवार को अंता में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार के देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी साइकिल चलाकर अभियान में भाग लिया। भडाणा शाम 4.45 बजे सरदार बल्लभ भाई पटेल स्टेडियम पहुंचे। रैली के दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग के समीप स्थित मीठी बावड़ी का अवलोकन किया। बावड़ी में गंदगी और कचरा देखकर उन्होंने गहरी नाराजगी प्रकट की और नगर पालिका अधिकारी को फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद अंता के खेम जी उद्यान में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए भडाणा ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति सजग है। जल प्रकृति का अनमोल उपहार है, इसे भावी पीढ़ी के लिए सहेजना हमारी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मोतीलाल मीणा, नरेश सिंह सिकरवार, प्रधान मोरपाल सुमन ने भी संबोधित किया। एडीएम भंवरलाल जनागल, एसडीएम हवाई सिंह यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई और तालाब पर दीपदान का आयोजन किया गया।

अकीदत और भाईचारे के साथ मनाया ईदुल अज़हा का त्यौहार

-सौहार्दपूर्ण त्यौहार मनाने को लेकर प्रशासन रहा मुस्तैद

बारां (रॉयल पत्रिका) । मजहब-ए-इस्लाम व मुसलमानों के दूसरे सबसे पवित्र व बड़े त्यौहार ईद-उल- अज़हा गुरुवार 28 मई को जिले भर में अकीकत और भाईचारे के साथ मनाई गई। जिला वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी व ईदगाह सदर जहीर अहमद ने बताया कि ईद-उल-अज़हा की नमाज़ ईदगाह पर सुबह 7:15 पर मोहतमिम अब्दुल कय्यूम साहब ने अदा करवाई। ईदगाह सेकेट्री शोएब अख्तर ने बताया कि नमाज़ से पहले जामा मस्जिद के ईमाम मौलाना वसीम अख्तर ने खिताब करते हुए लोगों को अल्लाह और उसके रसूल के बताए रास्ते पर चलने, बुरे कामों से बचने, भलाई के काम करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि हज़रत इब्राहिम अलेहिस्सलाम के बेटे हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम के त्याग और बलिदान की याद में ईद-उल-अजहा मनाई जाती है । मुसलमान ईदगाह पर ईद की नमाज़ अदा करते हैं और अपने गुनाहों की माफी सहित देश में अमन-चैन व खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगते हैं। नमाज़ के बाद खुत्बा पढ़ा गया। ईदगाह में जगह की कमी के चलते शहर की मस्जिद बारां भाईयान में मौलाना अख्तर नदवी, मस्जिद श्योपुरियांन में ईमाम मोहम्मद अकरम, मस्जिद भोला शाह में ईमाम शब्बीर अहमद, तालाब की पाल वाली मक्का मस्जिद में ईमाम मोहम्मद असलम, मरकज मस्जिद में मौलाना मुजीब पठान ने भी ईद की नमाज अदा करवाई। नमाज के दौरान ईदगाह पर पुलिस - प्रशासन मुस्तैद रहा। उप जिला कलेक्टर सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान हजारों की संख्या में नमाज़ी मौजूद रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में निकाली कलश यात्रा

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत शनिवार 30 मई 2026 को नगर पालिका सुकेत एवं राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जल संरक्षण जागरूकता के लिए कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाओं ने पानी बचाओ-जीवन बचाओ, जल है तो कल है जैसे नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा सब्जी मंडी, हाट बाजार एवं जुल्मी रोड से होकर नगर पालिका परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सविता लखेरा, महामंत्री निरंजन शर्मा एवं कोषाध्यक्ष मधु शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने पक्षियों के लिए परिंडे बांधे तथा मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका अधिशासी अधिकारी हेमेंद्र कुमार सांखला ने उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। वहीं पीलियाखेड़ी क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक मंडली के कलाकारों द्वारा जल बचाने और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। अभियान के तहत पशुओं के लिए पीलियाखेड़ी, बावड़ी के बालाजी सहित विभिन्न स्थानों पर पानी की टंकियां रखवाई गईं।

जामिआ तुल फुरकान का इजलास-ए-आम और सनद तकसीम प्रोग्राम आयोजित

-तालिबे इल्म अपने सीनों में कुरान हमेशा महफ़ूज़ रखेंगे:- शेख अबरार अहमद

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर में शोबा-ए-हिफ्ज को बेहतरीन निज़ाम के साथ संचालित करने वाले मदरसा जामिआ तुल फुरकान का इजलास-ए-आम ओर सनद (डिग्री) तकसीम प्रोग्राम 31 मई 2026 रविवार को अंजुमन मैरिज हॉल में सम्पन्न हुआ। कमेटी के प्रेस प्रवक्ता शुजाउद्दीन काजी ने बताया कि इस इजलास की सदारत दारुल उलूम नदवा तुल उलेमा लखनऊ से तशरीफ लाए जामिआ तुल फुरकान के नाजिम शेख अबरार अहमद नदवी ने की। मेहमानान-ए-खुसूसी हाड़ौती की अजीम शख्सियत काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद साहब ओर दारुल उलूम नदवा तुल उलेमा लखनऊ के उस्ताद ओर जामिआ तुल फुरकान के नायब नाजिम मौलाना अब्दुल रशीद नदवी रहे। अन्य मेहमानों में मोहतमिम अब्दुल कय्यूम, मौलाना मकसूद अहमद कोटा रहे। प्रोग्राम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से की गई। इसके बाद बच्चों ने अपनी तकरीरें पेश की। प्रोग्राम में शोबा-ए-हिब्ज़ की पढ़ाई मुकम्मल करके हाफिज बने 28 हाफिज-ए-कुरान को उपस्थित मेहमानों ने दस्तारबंदी करके सनद (डिग्री) तकसीम की गई। इस मौके पर उपस्थित लोगों ओर हाफिज-ए-कुरान बने बच्चों के परिवार वालों की आंखों से खुशी के आंसु छलक पड़े, सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों की हौसला अफजाई की। इस मौके पर बोलते हुए मदरसे के नाजिम शेख अबरार अहमद नदवी ने कहा कि ईमान की रोशनी अल्लाह के इस पाक कलाम कुरान पाक को हमेशा अपने सीनों में महफूज़ रखना ताकि इसके जरिए हमेशा लोगों को फायदा ओर सही राह दिखा सको ओर आप खुद भी राहें हक पर रहना। हाड़ौती की अजीम शख्सियत काजी-ए-शहर कोटा जुबेर अहमद ने खिताब करते हुए कहा कि मज़हब-ए-इस्लाम में हाफिज का मर्तबा बुलंद है, आप सभी नन्हे हाफिज आने वाली नस्लों को इस्लाम की असल पहचान ओर इस्लाम के मुकम्मल फ़राईज बताएंगे। ओर देश के विकास में अपना योगदान देंगे। ये सिलसिला पीढ़ी दर पीढ़ी चलता रहेगा। मौलाना अब्दुल रशीद नदवी ने कहा कि आप सभी बच्चों को हाफिज बनने की सनद मिल गई है। इसके बाद अब आगे मौलवियत, आलिम, मुफ्ती ओर भी दूसरी पढ़ाई कीजिए ताकि आपके इल्म में इजाफा हो सके। प्रोग्राम के आखिर में हाफिज मकसूद अहमद ने दुआ करवाई। प्रोग्राम में अंजुमन सदर मन्नू पठान, अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, कपड़ा व्यवसाई हाजी सिद्धिक अंसारी, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश कॉर्डिनेटर नासिर मिर्ज़ा, अजीम पठान कवाई, हाजी वसीम अहमद, पार्षद जाकिर खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रोग्राम का संचालन मौलाना अख्तर नदवी ओर मदरसे के उस्ताद हाफिज मोहम्मद कुरैश ने किया।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अनूठी पहल

-वंदे गंगा अभियान के तहत पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए विशेष अभियान शुरू, कई शिकायतें दुरुस्त

बारां.(रॉयल पत्रिका) आमजन को भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विशेष मुहिम शुरू की गई है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन भागीदारी अभियान के तहत कलेक्टर के निर्देशानुसार बारां जिले में 30 जून तक हर शनिवार को यह विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत हैंडपंप व नलकूप मरम्मत, पाइपलाइन लीकेज ठीक करने, अवैध कनेक्शन काटने, कम दबाव और प्रदूषित पानी की शिकायतों का मौके पर निपटारा किया जा रहा है।

12 टीमों का गठन, 12 वाहनों से त्वरित कार्रवाई

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिले में 12 विशेष टीमें बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम की कमान सहायक अभियंता या कनिष्ठ अभियंता को सौंपी गई है। त्वरित आवाजाही के लिए 12 विशेष वाहन भी उपलब्ध कराए गए हैं।

तीसरे शनिवार 30 मई को बड़ी कार्रवाई

30 मई को 12 टीमों ने जिले के 60 स्थानों पर कार्रवाई की। 24 खराब हैंडपंप दुरुस्त कर चालू किए गए। 4 प्रमुख स्थानों पर पाइपलाइन लीकेज ठीक किए गए। 9 क्षेत्रों में कम दबाव की शिकायत दूर कर आपूर्ति सामान्य की गई। 3 क्षेत्रों में तकनीकी कमियां सुधार कर पानी की सप्लाई शुरू की गई। 2 स्थानों पर कम पेयजल आपूर्ति और 5 जगह कम समय आपूर्ति की शिकायत दुरुस्त की गई। दूषित पानी की शिकायत पर 2 जगह प्रदूषण की समस्या का निवारण किया गया। पानी की चोरी रोकने के लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से 11 अवैध जल कनेक्शन मौके पर काटे गए।

टैंकर से जलापूर्ति जारी

जिला कलक्टर के मार्गदर्शन पर उपखंड अधिकारी, तहसीलदार व विकास अधिकारी को पेयजल योजनाओं का निरीक्षण कर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन क्षेत्रों में लाइनों से पानी नहीं पहुंच पा रहा, वहां टैंकर से जलापूर्ति की जा रही है। वर्तमान में जिले के 118 ग्रामों व ढाणियों में 41 टैंकरों द्वारा प्रतिदिन 254 ट्रिप जलापूर्ति की जा रही है।

नशा न करें अपनी आने वाली पीढ़ी को बचाएं - हाजी मोईनुद्दीन अशरफी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि खुद भी नशा नहीं करेंगे और अन्य लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे यह कहना था अलइस्हाकिया, अलअशफाकिया ट्रस्ट के अध्यक्ष हाजी मोइनुद्दीन अशरफी का। वे नवीन जोधाणा जागरूक संस्थान और मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में नशे के विरुद्ध चल रहे अभियान के अन्तर्गत 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के अवसर पर आखलिया चौराहा स्थित नूरानी मदरसे में आयोजित 'नशा विरोधी टी शर्ट एवं स्टीकर' वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। संस्थान के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि ट्रैवल थेरेपी के संचालक सय्यद हैदर अली के विशेष सहयोग से संस्था को नशा विरोधी टी शर्ट एवं हिजामा थैरेपी के एक्सपर्ट मोहम्मद सिराज रिज़्वी ने नशा विरोधी संदेश के 1 हजार स्टीकर संस्था को भेंट किये। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नशे की प्रवृत्ति युवा पीढी में बहुत ही तेजी से देश और प्रदेश में बढ़ती जा रही है हमारी संस्था सोशल मीडिया, रैली नुक्कड़ सभा और शॉर्ट फिल्मों से आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने का काम कर रही है। सरकार को नशा बंद करना चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ने के साथ ही कई परिवार टूटकर बर्बाद हो रहे हैं। सेवानिवृत आरएएस निसार खान और मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स डीन डॉ. सैयद मोइनुल हक ने संस्थान की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान की प्रशंसा करते हुए आमजन को इससे जुड़ने की अपील की। संस्था के कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नूरी ने कहा कि इस मौके पर संस्थान के संरक्षक मोहम्मद इरफान कुरैशी, एडवोकेट असलम खान, मोहम्मद सद्दीक राजू, महासचिव शकील अहमद, मोहम्मद आफताब, कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारुन, मोहम्मद आशिफ, मोहम्मद अय्यूब, इकबाल नूरी, उस्मान कुरैशी व अशफाक कुरैशी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

-'हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां' विषय पर किया मंथन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को चूरू जिला मुख्यालय पर सूचना केंद्र में "हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियां" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम, एपीआरओ मनीष कुमार, वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, किशन उपाध्याय सहित पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों ने शिरकत कर हिंदी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति व चुनौतियों पर विचार—विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। हिंदी पत्रकारिता ने लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज जब सोशल मीडिया, एआई आदि सूचना के अनेक माध्यम उपलब्ध हैं, तब पत्रकारिता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपनी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजीटल युग में पत्रकारिता के सामने विश्वसनीयता बनाए रखने और फेक न्यूज जैसी चुनौतियों से निपटने की आवश्यकता है। इसलिए प्रामाणिकता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय अत्यंत आवश्यक है। पत्रकारिता क्षेत्र में समसामयिकता और उन्नयन के लिए नियमित अध्ययन पहली कड़ी है। इसलिए किताबें पढ़ें और समसामयिक विषयों पर पकड़ रखें। समाज का अधिकांश वर्ग हिन्दीभाषी है, इसलिए हिन्दी पत्रकारिता में प्रासंगिक विषयों पर तार्किकता, समयबद्धता, विश्लेषण और तथ्यपरकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पत्रकारिता क्षेत्र में सोशल मीडिया व एआई के उपयोग, पाठकों की बदलती अपेक्षाओं, त्वरित समाचारों की होड़ और व्यावसायिक दबावों के बीच गुणवत्ता, तथ्यपरकता और नैतिकता को बनाए रखने आदि बिन्दुओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने कहा कि पत्रकार समाज की आवश्यकताओं को पहचानने और जनभावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। आज सूचना के अनगिनत स्रोत उपलब्ध हैं, ऐसे में प्रमाणिक और तथ्याधारित समाचारों की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के दबाव के बावजूद सत्य और जिम्मेदार पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। तथ्यपरक और विश्वसनीय खबरें ही समाज का विश्वास अर्जित कर सकती है। जिम्मेदार एवं तथ्यपरक पत्रकारिता को बनाए रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है। सहायक जनसंपर्क अधिकारी मनीष कुमार ने हिंदी पत्रकारिता के विकास क्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि तथ्य आधारित सूचनाओं का प्रेषण अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार देवराज लाटा, नरेन्द्र शर्मा, किशन उपाध्याय, राजेन्द्र सिंह शेखावत, अखिलेश दाधीच सहित वक्ताओं ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता आज डिजिटल संक्रमण, फेक न्यूज, व्यावसायिक दबाव और बदलती पाठकीय रुचियों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इन परिस्थितियों में पत्रकारों को निरंतर अध्ययन, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहना होगा। वक्ताओं ने कहा कि तकनीकी क्रांति, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और सूचनाओं की तीव्र प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हिंदी पत्रकारिता की विश्वसनीयता, जनपक्ष का प्रमुखता से रखना ही उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं।

मनोज शर्मा ने स्वागत किया और अमित तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान आशीष गौतम, मोहम्मद अली पठान, गिरधारी सैनी, ललित चौहान, राहुल शर्मा, जमील अहमद खान, विजय चौहान, देशदीपक किरोड़ीवाल, जसवंत मेड़तिया, रामचंद्र गोयल, पवन शर्मा, प्रदीप माली, बजरंग सैनी, श्रवण शर्मा, नरेन्द्र दीक्षित, अख्तर मुगल, दीपक सैनी, निखिल जांगिड़, गोविंद, राजकुमार चोटिया, बाबूलाल राव, तनुज लाटा, सुनील स्वामी, मनीष शर्मा, बलवान सिंह, विद्याधर शर्मा, दूलीचंद सोनी, संजय गोयल, विजय रक्षक, राजेन्द्र सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। संचालन कुंज बिहारी बिरमीवाला ने किया।

ईद उल अज़हा पर लोगों ने बुराइयों के त्याग व नशे से दूर रहने का संकल्प लिया - मौलाना फ़ज़्ले हक़

कोटा (रॉयल पत्रिका) । नूरानी जामा मस्जिद के कोषाध्यक्ष यूनुस क़ादरी ने बताया कि ईद उल अज़हा की तक़रीर में मौलाना फ़ज़्ले हक़, पूर्व चेयरमैन राजस्थान मदरसा बोर्ड ने कहा कि आज का दिन बुराइयों के त्याग का संकल्प लेने का दिन है। समाज में फैली हुई बुराइयों, विशेष तौर पर नशे से दूर रहने व दूसरों को भी दूर कराने का संकल्प दिलाया तथा सभी नेक काम केवल ख़ुदा को राज़ी करने के लिए करें। ख़ुदा की मख़लूक़ (सभी इंसानों, प्राणियों से) प्यार-मोहब्बत करें, आपस में गले मिलकर सांप्रदायिक सौहार्द को मज़बूत बनाएं। इस अवसर पर इमाम मौलाना जमशेद आलम, सैयद ज़िया हैदर वास्ती एवं सदर मोहम्मद अय्यूब ने पुलिस अधिकारियों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

नायक समाज का "परिंडा लगाओ अभियान" संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति जिला चूरू द्वारा सात दिन से चलाया जा रहा "परिंडा लगाओ-जीवन बचाओ" महाभियान शनिवार 30 मई को समापन हुआ। समिति के जिलाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि समापन दिवस पर सुबह 9 बजे ओम कॉलोनी, मंगल कॉलोनी, ज्योति नगर, कायम नगर और पंखा सर्किल चूरू में आवारा पशु एवं गायों के लिए सीमेंट के बड़े जल हौद स्थापित किए गए हैं। कार्यक्रम में राजकीय भरतिया हॉस्पिटल, चूरू के वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. बी.एल. नायक ने समिति को 10 सीमेंट के बड़े हौद आवारा पशु एवं गौवंश के लिए दिलवाए । जिनको समिति द्वारा चूरू के विभिन्न स्थान पर जहां पर ज्यादा संख्या में पशु व गौवंश ज्यादा इकट्ठे होते हैं वहां रखवाया गए। प्रत्येक दिन पानी की सुनिश्चित व्यवस्था करने के लिए नजदीकी दुकानदार, मकान मलिक या अन्य कोई नजदीक व्यक्ति को जिम्मेदारी सौपी गई । रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि अभियान में अब तक अग्रसेन नगर, सहनाली छोटी, देपालसर, रामसरा, खासोली, पूनिया कॉलोनी रेलवे लाइन सहित 15 स्थानों पर 200 से अधिक परिंडे व 20 बड़े हौद सीमेंट के लगाए गए हैं। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पैर में प्लास्टर बंधे कार्यकर्ताओं से लेकर महिलाओं-बच्चों तक में उत्साह की लहर देखने को मिली। हमारा नायक समाज व सर्व समाज सिर्फ मांगता नहीं देता भी है। नायक समाज ST अधिकार हमारा संवैधानिक हक है और बेजुबानों की सेवा हमारा सामाजिक धर्म। नायक समाज राजनीति नहीं, जमीन पर सेवा करते है। "इस अवसर पर कमलनायक, मंडल अध्यक्ष श्रवन बेसर, ओम प्रकाश बाकोलिया, संजय गुर्जर, कैलाश सैनी, बजरंग पुरी गोस्वामी, बीएल फगेडिया, मैनपाल नायक, पवन सिंह नायक, कानाराम नायक, एडवोकेट निर्मल बेसर, जय सिंह नायक, विनायक, गजेंद्र जाखटिया, रौनक जाखटिंया, मयंक जाखटिंया, वरुण जाखटिया, इंदरचंद नायक, और बाबू, हर्षवर्धन नायक आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अपना योगदान दिया।

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी" का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

-"पहले अच्छे नागरिक बनें"- जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा मदरसा जयपुर रोड, चूरू में, अल्पसंख्यक बच्चों के लिए, एक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। जिसमें 10वीं तथा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 % से ज्यादा मार्क्स लाने वाले 73 छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसके अलावा 3 टेबल टेनिस नेशनल खिलाड़ी, एक एयर पिस्टल नेशनल खिलाड़ी, एक कॉलेज लेक्चरार में सलेक्टेड अबरार खान, 8 प्रिन्सिपल, 5 वॉइस प्रिन्सिपल, 14 व्याख्याताओं का और 6 एएसआई राजस्थान पुलिस विभाग में पदौन्नति होने पर उनका भी सम्मान किया गया। "प्राइड ऑफ चूरू" इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली दो हस्तियों को प्राइड ऑफ चूरू के पुरुस्कार से नवाजा गया। जिनमें डॉ. मुमताज़ अली कुरैशी और डॉ. इकराम हुसैन शिशु रोग विशेषज्ञ (HOD, प्रिन्सिपल) हैं। प्रोग्राम के दौरान ही कुछ बच्चों ने अपने करिअर के बारे में कलेक्टर महोदय से पूछा, तो प्रत्येक सवाल का उन्होंने बड़ा तसल्ली बख़्श ज़वाब दिया। एक बच्ची के यह पूछने पर, कि मुझे IAS बनने के लिए क्या करना चाहिए, तो कलेक्टर महोदय ने तुरंत कहा कि सब से पहले आप अपनी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करो, पर्सेनालिटी डेवलपमेंट पर ध्यान दो और एक अच्छे नागरिक बनो, बाकी सब समय के साथ ठीक हो जाएगा, अभी इतनी कम उम्र में ज्यादा चिंता अच्छी बात नहीं। सभी बच्चों को खुद कलेक्टर महोदय द्वारा एक-एक

प्रेरणास्पद किताब भी भेंट की गई (स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, मुन्शी प्रेमचन्द, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, जवाहरलाल नेहरू, शिव खेड़ा आदि की)। सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर सेल्स टैक्स, जनरल सेक्रेटरी डॉ. एफ एच गौरी सीनियर फिजिशियन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, संरक्षक हाजी याक़ूब थीम ने भी विचार व्यक्त किए। 10वीं और 12वीं बोर्ड के तीन टॉपर बच्चों को, TAB लैपटॉप भी इनाम में दिए गए। विशिष्ट अतिथि में, शिक्षाविद अभिलाषा मुकुल भाटी, डॉ. मोहर सिंह मीना (अध्यक्ष मीना महासभा), रचना कोठारी (अध्यक्षा जैन तेरापंथ) मुख्य आकर्षण रहे और अपने उद्बोधन से बच्चों की हौसला अफजाई की। संरक्षक हाजी याक़ूब थीम द्वारा अध्यक्षता की गई। प्रोग्राम का सफल संचालन प्रिन्सिपल मोहम्मद आरिफ खान, रियाज़ खान और रशीद खान शिक्षाविद द्वारा किया गया। जनहित के कार्यो में अपनी उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए सोसाइटी द्वारा "इन्सानियत एकता सेवा समिति" का भी अभिनंदन किया गया और समिति की प्रशंसा की गई, जिस के संस्थापक कारी करामात अली खान हैं। कार्यक्रम का आगाज कुरान की तिलावत के साथ हुआ और अतिथियों का फूल माला व साल उढाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मुस्तकीम शेख विधि सलाहकार, निसार खान रिटायर्ड डीईओ शिक्षा विभाग, रिटायर्ड डीईओ नूर मोहम्मद खान, नजीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिंसिपल, एईएन रियाज खान, मोहम्मद अली पठान, ओवैस कुरैशी, लायन आबिद खान, सलीम खान दिलावर खानी, कैप्टन जसवंत खान, हबीब खान मलवाण, समीर खान,एडवोकेट जी एन गोरी, महबूब खान नसवान, अयूब खान गौड़, जाकिर हुसैन गोरी, अबरार खान लेक्चर, सादिक खान शिक्षाविद, हबीब डायर, ईशाक खान शिक्षाविद, खुर्शीद गोरी शिक्षाविद, हनीफ खान,डॉ. गफ्फार अली खान, आसिफ खान एईएन, वसीम भाटी अध्यापक आदि काफी संख्या में प्रतिष्ठित नागरिकगण उपस्थित रहे। डॉ. एफ एच गौरी द्वारा सभी मेहमानों का और उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया। अंत में दुआ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हज़रत सैयद उमराव शहीद गाजी का 942वां पांच दिवसीय उर्स शुरू

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। लाडनूं शहर की मशहूर दरगाह हजरत सैयद उमराव शहीद गाजी सरकार का 942वां सालाना उर्स शनिवार 30 मई से अकीदत के साथ शुरू हुआ। उर्स के अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनमें देशभर से जायरीन एवं अकीदतमंद शामिल होकर दरगाह पर हाजिरी देंगे और अमन, चैन तथा खुशहाली की दुआ होगी। राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक़्फ़ कमेटी नागौर के पूर्व जिला संयोजक एवं परिवेक्षक सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि उर्स आयोजन दरगाह कब्रिस्तान समिति की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार उर्स 12 जिलहिज्जा 1447 हिजरी से प्रारंभ होकर 16 जिलहिज्जा 1447 हिजरी अर्थात 3 जून 2026 तक चलेगा। इस दौरान दरगाह परिसर में विशेष धार्मिक आयोजन, महफिल-ए-मिलाद, कव्वाली और चादर शरीफ के कार्यक्रम होंगे। कायमखानी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत शनिवार को असर की नमाज के बाद 'धमा बैठकी' का आयोजन हुआ। 31 मई रविवार को नमाज-ए-इशा के बाद महफिल-ए-मिलाद हुई। 1 जून सोमवार को फज्र की रात में महफिल-ए-मिलाद और कव्वाली का कार्यक्रम हुआ। इसी प्रकार मंगलवार को गुल एवं संदल की रस्म अदा की जाएगी तथा रात्रि में कव्वाली का आयोजन होगा। उर्स के अंतिम दिन 3 जून बुधवार को चादर शरीफ एवं कुल की रस्म अदा की जाएगी। शाम 5 बजे चादर शरीफ का जुलूस बडबोड़ा सिलावट मस्जिद से दरगाह शरीफ के लिए रवाना होगा। उर्स के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दरगाह पहुंचकर हजरत गाजी सरकार की बारगाह में हाजिरी देंगे।

नीट मे धांधली, डीजल, पेट्रोल की बढ़ती कीमतों व पानी-बिजली की गंभीर समस्याओं एवं कथित भ्रष्टाचार पर लगे लगाम- विधायक मुकेश भाकर

लाडनूं/डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। लाडनू विधानसभा क्षेत्र में डीजल, पेट्रोल की दिनों दिन बढ़ती कीमतों के विरोध सहित पानी-बिजली की गंभीर समस्या और विभिन्न सरकारी विभागों में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विधायक मुकेश भाकर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों सहित सामाजिक संगठनों ने डीडवाना जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर राज्य व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर समस्या समाधान की मांग की। जनता से जुडे मुख्य मुद्दे पानी-बिजली संकट पर विरोध भीषण गर्मी के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में पानी और बिजली की समस्या को लेकर लोगों में भारी नाराज़गी है। विधायक ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायतों के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल रही है। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें पानी, बिजली और अन्य जनसमस्याओं के जल्द समाधान की मांग की गई। स्कूलों में निर्माण कार्यों में गड़बड़ी का आरोप विधायक ने आरोप लगाया कि कुछ सरकारी स्कूलों में मरम्मत, प्लास्टर, पेंटिंग और पाइपलाइन जैसे कार्यों में करोड़ों

रुपये के फर्जी बिल पास किए गए, जबकि ज़मीन पर कार्य बहुत कम हुआ। किसानों से धोखाधड़ी का मुद्दा कृषि मंडी और सहकारिता विभाग में किसानों के साथ धोखाधड़ी होने का आरोप लगाया गया। विधायक ने कहा कि किसानों के टोकन कटने के बावजूद कई जगह उनका अनाज नहीं खरीदा गया। सहकारिता विभाग पर सवाल समाचार में सहकारिता विभाग के कुछ अधिकारियों पर करोड़ों रुपये के गबन और अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। विधायक भाकर ने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में बड़ा जनआंदोलन किया जाएगा और प्रशासन को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर यह प्रदर्शन पानी, बिजली, किसानों की समस्याओं और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ किया गया था, जिसमें प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की गई। कांग्रेस पार्टी हमेशा आमजन, किसानों, युवाओं और महिलाओं की आवाज़ उठाती रही है। डीजल पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से हर वर्ग परेशान हैं। रसोई गैस, खाद्य सामग्री, दूध एवं दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे आम परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है। साथ ही NEET परीक्षा में हुई धांधली एवं पेपर लीक प्रकरण ने देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और युवाओं को न्याय मिले, यह हमारी प्रमुख मांग है। जिला कलेक्टर को जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपकर जनता की आवाज़ बुलंद की गई। जनहित के मुद्दों पर हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों एवं आमजन पर पड़ रहे आर्थिक बोझ, व पानी बिजली सहित भ्रष्टाचार के खिलाफ लाडनू विधायक मुकेश भाकर, पंचायत समिति प्रधान हनुमानाराम कासनिया, सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, राजेन्द्र भगारीया, दिनेश गोदारा, पार्षद अमजद खां, महिला कॉंग्रेस से सुमित्रा, युवा कांग्रेस के शमीर खान आदि के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में सहभागी रही। जिला कलेक्टर ने आश्वासन दिया है कि जनता से जुडी जनसमस्याओं का तुरंत समाधान करवाया जाएगा और भ्रष्टाचार के मामले की गंभीरता को देखते हुई जिला स्तर पर एक जांच कमेटी का गठन किया गया है, जो जल्द ही निष्पक्ष जांच कर अपने रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उसके बाद दोषियों के खिलाफ नियमन अनुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

दादा नवाब कायम खां की शहादत दिवस पर होंगे कई कार्यक्रम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। रविवार 31 मई 2026 को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट, उस्मानाबाद कॉलोनी में युवा कायमखानी वेलफेयर सोसायटी कि मीटिंग अध्यक्ष रिजवान खान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मीटिंग में आने वाले 14 जून को दादा नवाब कायम खां के शहादत दिवस पर किये जाने वाले कार्यक्रमों पर और एजुकेशन इंस्टीट्यूट में रहने आये बच्चों की व्यवस्थाओं पर कोचिंग क्लासेज शुरु करने पर चर्चा की गई और सभी सदस्यों द्वारा संस्था का निरीक्षण किया गया।बैठक में सभी सदस्यों की सहमति से निर्णय लिया गया कि 14 जून को दादा नवाब क़ायम खां की शहादत दिवस पर ददरेवा (चूरू) के "निशान-ए-कायम" पर रखी गई फातिहाखानी में सभी शामिल होंगे। शाम को बाद नमाज़ असर मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट में उस्मानाबाद कॉलोनी में दादा नवाब कायम खां की फातिहाखानी कर खैराज-ए-अकीदत की जाएगी। असलम खां द्वारा कही गई बातों पर विचार करते हुए इसके लिए शमशेर

भालू खान को जिम्मेदारी दी गई कि वो एक पेज पर कायमखानी कौम इतिहास, 14 जून का इतिहास, ददरेवा का इतिहास और कायमखानी धरोहर के बारे में संक्षिप्त जानकारी संग्रहित करेंगे और कोशिशन 14 जून तक तैयार करेंगे। फातिहाखानी में उनको वितरण कि कोशिश रहेंगी। चूरू तहसील से आर्मी में सेलेक्ट होकर कौम का मान सम्मान बढ़ाने वाले बच्चों का वेलफेयर द्वारा साफा और माला से सम्मानित किया जायेगा। यह कार्यक्रम अगले रविवार 07 जून को करना प्रस्तावित है। मीटिंग में उपस्थित में आजम अली खां, हबीब खां पुलिस, सत्तार खां पुलिस, रिजवान खां (सदर), मैनुदीन फतेहखानी (सचिव), इनायत खां मोयल (कोषाध्यक्ष), इलियास खां झारिया, अयूब खां पुलिस, इसफाक खां अध्यापक, आबिद खां मंसूर, अकबर शेर खां अध्यापक, शमशेर भालू खां, तुफेल खां, अरशद खां NGJ, हनीफ खां, सत्तार खां अध्यापक, आरिफ खां खांनजानी, इमरान दिलावर, फरयाद खां, डॉ. गफ्फार खां, आरिफ खां पुलिस, गफ्फार खां राणासर अध्यापक, जावेद खां VDO, अयूब खां PHED, मोहसिन खां, विद्युत विभाग, अनवर हबीब खां, सद्दाम दिलावरखानी आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन मैनुद्दीन खान ने किया, बैठक की अध्यक्षता कर रहे रिजवान खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ईद-उल-अज़हा की नमाज़ बड़े ही उत्साह एवं उल्लास के साथ पुरानी मरकजी ईदगाह में अदा करवाई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शहर की सबसे पुरानी मरकजी ईदगाह में ईद-उल-अज़हा की नमाज़ अदा की गई। शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम- उल -कादरी ने सामूहिक दो रकात नमाज अदा करवाई। नमाज़ के बाद खुत्बा (धार्मिक उपदेश) दिया गया। शहर क़ाज़ी मौलाना अहमद अली शाह ने खुत्बा पढ़ा। शहर इमाम ने अपनी तकरीर में हज़रत इब्राहिम अल्हे इस्लाम के बेटे हज़रत इस्माइल अल्हे इस्लाम के बारे में तफ़सील से बताया और कहा- अल्लाह से मोहब्बत और कुर्बानियों के बारे में कहा इंसान को सिर्फ जानवर जीबा कर सुन्नत अदा नहीं करनी चाहिए। बल्कि उसे अपने मन के अन्दर की बुराई - हसद और जो गंदगी हम एक दूसरे की लिए दिल में रखते हैं हमें उसकी भी कुर्बानी देनी चाहिए। हमें वह सब कुछ त्याग कर देना चाहिए जो बुराई की ओर ले जाता है। आपने कहा कि कुर्बानी की रस्मः नमाज़ मुकम्मल होने के बाद बकरे, भेड़ या अन्य हलाल जानवरों की कुर्बानी दी जाती है। मांस का तीन हिस्सों में वितरणः कुर्बानी के मांस को अनिवार्य रूप से तीन बराबर भागों में बांटा जाता है: पहला हिस्साः अपने स्वयं के परिवार के लिए। दूसरा हिस्साः दोस्तों, पड़ौसियों और रिश्तेदारों के लिए। तीसरा हिस्साः गरीब, जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के लिए, ताकि समाज का कोई भी व्यक्ति इस दिन भूखा न रहे। सद्भावना और लोग एक-दूसरे के गले मिलकर "ईद मुबारक" करते हैं और आपसी गिले-शिकवे दूर करते हैं। इस दिन घरों में मटन बिरयानी, कवाब, कीमा और पारंपरिक मिठाइयाँ जैसे शाही टुकड़ा आदि पकवान बनाए जाते हैं। ईद की नमाज़ पढ़ने के बाद सभी लोग ईदगाह के मुख्य दरवाजे से बाहर आते हैं। वहां पर सर्व समाज के अलावा प्रशासनिक अधिकारी एवं राजनीतिज्ञ ईद की मुबारकबाद देते हैं। दिन में चूरू शहर विधायक हरलाल सहारण, भाजपा

जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अख्तर खान, सत्तार खान, अभिषेक चोटिया, सुरेश सारस्वत मोहनलाल साहू भास्कर शर्मा, निसार गुर्जर, डॉ. एफ एच गोरी, कांग्रेस के पूर्व नगर परिषद सभापति गोविंद महेंद्र सरिया मोहम्मद सेन निर्माण रियाजत खान डॉ. जमील चौहान, रणजीत सातडे वाला, एडवोकेट आसाराम सैनी, मुस्ताक खान, एडवोकेट रामेश्वर लाल रामसरा, रामचंद्र सुंडा, हेमंत सिहाग, हर्ष लाबा, जितेंद्र शर्मा, शिवकुमार शर्मा, विमल शर्मा, बजरंग बाजार मोहनलाल टेलर असलम खोखर, किशोर दादू, हारून गोरी, मोहम्मद रफीक चौहान, संजय भाटी, जाकिर झरिया वाला, आदि हजारों की संख्याओं में लोगों ने ईद की नमाज़ अदा की। इसी क्रम में आथुना मोहल्ला नई ईदगाह सैयदना में मौलाना लियाकत अली ने ईद की नमाज़ अदा करवाई और अगुना बास ईदगाह में बड़ी संख्याओं में लोगों ने नमाज़ अदा की। इसके अलावा शहर में काफी मस्जिदों में सुबह जल्दी ही ईद की नमाज़ अदा करवाई गई। देश और दुनिया के लिए अमन चैन भाई चारा और सौहार्द बना रहे की दुआएं की गई।

विभागीय पदोन्नति पर समाज ने किया सम्मान समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मोहल्ला ईदगाह द्वारा समाज में विभागीय पदोन्नति से बने अधिकारियों का सम्मान किया गया। रविवार 31 मई 2026 को देर शाम को मोहल्ला ईदगाह रिसालदार कोटड़ी में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मोहल्ला ईदगाह की ओर से विभागीय पदोन्नति से अधिकारी बने प्राध्यापक परवेज़ खान, प्राध्यापक वसीम बाबर, सब इंस्पेक्टर जाकिर खान, ए.एस.आई. रमजान खान बिसाऊ, ए.एस.आई. मोहम्मद आवेश, ए. एस. आई. याकूब खान और हैड कांस्टेबल ईसब अली खान इत्यादि का माल्यार्पण व साफा पहनाकर मोमेंटो भेंट कर अभिनंदन किया गया। मंच पर रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान ने खुदा की तारीफ में खूबसूरत नात पेश की। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शमशाद अली ने मोटिवेशनल स्पीच देते हुए कहा कि युवा अधिकाधिक संख्या में अधिकारी बनकर मुल्क और समाज की तरक्की में अपना अहम योगदान दें। रियाजत खान ने सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं पेश की। मुस्ताक खान कांग्रेस प्रदेश सचिव ने अधिकारियों से समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार का आह्वान किया। भवरु खान ठेकेदार ने शेरो-शायरी के जरिए हौसला बढ़ाया। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका निभाने वाले रिटायर्ड एएसआई अनवर खान, चूरू फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष भाई शकील दुर्रानी और इस्माइल खान ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और समाज को सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर कासम अली खान, इकबाल खान, इस्माइल खान, अब्दुल सत्तार सदर, अब्दुल मन्नान, सलीम पावटा, अली हसन, इमरान दिलावर, जावेद, हामिद रिसालदार सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

ब्रीफ खबरें

छात्र अब्दुल लतीफ खान को किया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जयपुर रोड स्थित मदरसा में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह में "छात्र-छात्राओं को मोटिवेशन स्पीच देते हुए जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि पहले अच्छे नागरिक बनें" फिर आईएएस, आईपीएस, आरएएस, डॉक्टर, इंजीनियर आदि। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा समारोह के मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे एवं अध्यक्षता समाज सेवी हाजी याकूब थीम ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. मोहर सिंह डिप्टी डायरेक्टर, श्रीमती अभिलाषा मुकुल भाटी शिक्षाविद, रचना कोठारी, सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी उपाध्यक्ष, डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन महासचिव ने छात्र अब्दुल लतीफ खान पुत्र मोहम्मद सलीम खान को सम्मानित किया गया। छात्र दसवीं में टॉप रहे हैं। कार्यक्रम में साथ में आए छात्र के दादा आर्मी मैन मैनुद्दीन खान दुलेखानी ने कहा कि बच्चों की मेहनत और योग्यता का फल है कि आज बच्चे उच्च संस्थानों से जिला कलेक्टर द्वारा सम्मान हो रहे हैं एवं सभी सदस्यों द्वारा प्रतिभाओं का फूल मालाओं से स्वागत किया गया एवं प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह का सफल संचालन प्रिंसिपल आरिफ खान ने किया। डॉ. एफ एच गोरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मोहम्मद अतीक की आमजन से अपील

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर आमजन से अपील की कि एक सर्वे के मुताबिक तम्बाकू से लाखों लोग हर साल पूरे विश्व में अपनी जान गवां देते हैं और बड़ी-बड़ी बीमारी से पीड़ित हो जाते हैं। मैं युवाओं से, आमजन से गुजारिश करता हूं कि चाहे नशा तंबाकू का हो या फिर किसी अन्य प्रकार का। हमें अपने परिवारों की मजबूती के लिए नशा तुरंत प्रभाव से छोड़ना चाहिए। हर सूरत में नशा करने वाले और कराने वालों से दूर रहना है और सामजिक

जिम्मेदारी समझते हुए नजदीकी पुलिस को भी इस सम्बंध में सूचना देनी हैं। नशा सभ्य समाज के लिए कलंक ओर इस्लाम में हराम भी है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की कार्रवाई जारी

-यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए चला विशेष सघन अभियान

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और सड़क हादसों की रोकथाम को लेकर पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर रखा है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए केवल मई माह में अब तक करीब 300 से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ चालान और कानूनी कार्रवाई की गई। थानाधिकारी नेमाराम चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट, अस्पष्ट नंबर प्लेट,वाहनों के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाने तथा बंपर लगाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों और मुख्य मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि भारी चालान और कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए सुरक्षित यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस ने कहा कि सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाएं रखने में नागरिकों का सहयोग बहुत ही जरूरी है। अभियान के तहत ड्रंक एंड ड्राइव मामलों में भी पुलिस सख्त नजर आ रही हैं। वाहन चालकों की बेथ एनालाइजर मशीन से जांच की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर वाहन चालान के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नियमों की पालन नहीं करने वाले पर सख्ती बरती जा रही हैं। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के लगातार चालान काटे जा रहे हैं।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें - 8058969180/9799559096

डॉ. अशफाक खान की सेवानिवृति पर अविस्मरणीय सम्मान

शब्बीर हुसैन

अंता (रॉयल पत्रिका) । एनटीपीसी के लेखा अधिकारी एवं बारां जिले के प्रमुख समाज सेवी डॉ. अशफाक खान एनटीपीसी अंता से उनकी 36 वर्ष की दीर्घकालीन सेवाओं से सेवानिवृत हुए । इस अवसर पर एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक अनिल बवेजा ने उनको शाल - माला और उपहार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया और उनकी कंपनी में की गई सेवाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर कम्पनी के सभी वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं संविदा कर्मी एवं अंता नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। एनटीपीसी के पूर्व महा प्रबंधक देवेंद्र भार्गव, अपर महाप्रबंधक जगदीश गुप्ता एवं कार्यकारी सचिव श्यामसुंदर शर्मा भी अपने पुराने साथी को

बधाई और शुभकामनायेँ देने अंता पहुंचे। एनटीपीसी अंता के सभी वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने डॉ. अशफाक खान के साथ बिताये लम्हों का जिक्र करते हुए उनके सेवानिवृति को कंपनी के लिए एक बड़ी कमी बताया। डॉ. अशफाक खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि वो एनटीपीसी जैसी महान कम्पनी के और सबसे मिले प्यार सहयोग के सदा ऋणी रहेंगे और जब कभी भी उन्हें याद किया जायेगा वो कम्पनी के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वो पूर्व में सेवाओं में रहते खुलकर समाज सेवा नहीं कर पा रहे थे, अब वो खुलकर पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित रहेंगे उन्होंने कहा की उनके जीवन का मिशन "नर सेवा नारायण सेवा है"। इस अवसर पर मीडिया के समस्त प्रेस रिपोर्टर भी समारोह में मौजूद रहे। डॉ. अशफाक खान ने इस शुभ अवसर पर एक भंडारा (लंगर) का आयोजन किया, जिसमें एनटीपीसी और एनटीपीसी से जुड़े हुए और आस-पास के लोगों ने भोजन का आनंद लिया।

डॉ. मनशेर खान वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज. अधिकारी कर्मचारी माईनोरिटी एसोसिएशन (RAKMA) के प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद ने संगठन का विस्तार करते हुए डॉ. मनशेर खान को रकमा का प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। डॉ. मनशेर खान अजमेर जिले में पद स्थापित है। प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद का कहना है कि डॉ. मनशेर खान की नियुक्ति से रकमा संगठन में मजबूती आएगी।

अब्दुल्ला आजम की दो पासपोर्ट मामले में 7 साल की सजा रद्द

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के रामपुर से जुड़े चर्चित दो पासपोर्ट मामले में समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को बड़ी कानूनी राहत मिली है। अपीलीय अदालत ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सात साल की सजा को रद्द कर दिया है। शुक्रवार को आए इस फैसले के बाद सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर देखने को मिली। यह मामला साल 2019 में दर्ज हुआ था, जब भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने रामपुर की सिविल लाइंस कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि अब्दुल्ला आजम ने अलग-अलग जन्म तिथियों के आधार पर दो पासपोर्ट बनवाए थे। शिकायत के मुताबिक, एक पासपोर्ट में उनकी जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 दर्ज थी, जबकि दूसरे दस्तावेज में 30 सितंबर 1990 लिखी गई थी। आरोप यह भी था कि इन दोनों पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्राओं के लिए किया गया।

मामले की जांच के बाद पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसके बाद मुकदमे की

सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में चली, जहां अब्दुल्ला आजम को दोषी मानते हुए सात साल की सजा सुनाई गई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने अपीलीय अदालत का रुख किया था। अब अदालत ने निचली अदालत के फैसले को निरस्त कर दिया है।

हालांकि, अब्दुल्ला आजम और उनके पिता आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में अभी राहत नहीं मिली है। इस मामले में पहले उनकी अपील खारिज हो चुकी है। इसके बाद राज्य सरकार ने सजा बढ़ाने की मांग को लेकर अदालत में अपील दायर की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने 23 मई को फैसला सुनाते हुए आजम खान की सजा बढ़ाकर 10 साल कर दी थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पासपोर्ट मामले में राहत मिलने के बावजूद अब्दुल्ला आजम की मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। अन्य मामलों में सजा बरकरार होने की वजह से फिलहाल उनकी जेल से रिहाई संभव नहीं मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ मामलों को अब्दुल्ला आजम ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जहां अभी सुनवाई जारी है। रामपुर की राजनीति में इस फैसले को एक बड़े घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है। आने वाले समय में इसका राजनीतिक असर भी देखने को मिल सकता है।

मशहूर शायर बशीर बद्र नहीं रहे

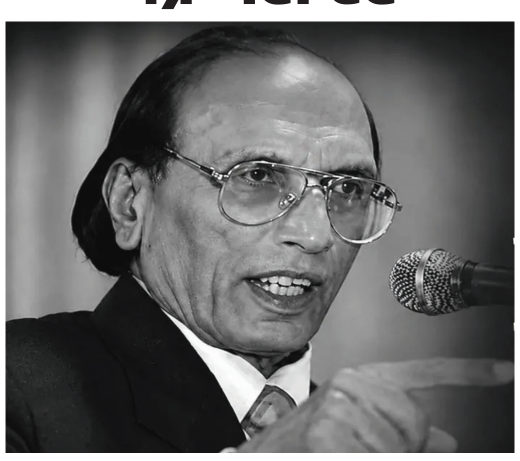

नयी दिल्ली। उर्दू अदब और आधुनिक ग़ज़ल के सबसे चमकदार सितारे डॉ. बशीर बद्र साहब ने 91 वर्ष की उम्र में इस फानी दुनियां को 28 मई 2026 को अलविदा कह दिया। बशीर बद्र को ग़ज़ल विधा में ठेठ, सरल और बेहद रूमानी शब्दों को पिरोने के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने उर्दू शायरी को किताबी संजीदगी और भारी-भरकम शब्दों के दायरे से बाहर निकाला और उसे आम आदमी की बोलचाल का हिस्सा बनाया। साहित्य के क्षेत्र में उनके इसी ऐतिहासिक और बेमिसाल योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से नवाज़ा गया था। उनके जाने की खबर से देश विदेश में मौजूद उनके लाखों प्रशंसकों और चाहने वालों में मायूसी छा गई । जीवन के अंतिम दौर में वे डिमेंशिया के कारण अपनी याददाश्त खो चुके थे, लेकिन उनकी यादों को जिंदा रखते हुए उनकी पत्नी आज भी उन्हें बेहद धैर्यपूर्वक उनकी ही लिखी कविताएँ और शेर सुनाया करती थीं। 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या (तत्कालीन फ़ैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र का तालीमी सफर बेहद शानदार रहा। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से अपनी उच्च शिक्षा और पीएचडी की डिग्री पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने इसी विश्वविद्यालय में उर्दू के प्रोफेसर के रूप में लंबे समय तक अपनी सेवाएं भी दीं।

विरोध के बीच असम में पास हुआ UCC बिल

- विपक्ष ने बताया 'BJP का पॉलिटिकल एजेंडा'

दिसपुर । असम विधानसभा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) असम बिल 2026 को पास कर दिया है. इसके साथ ही असम नॉर्थ-ईस्ट का पहला और देश का तीसरा राज्य बन गया है, जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून लागू किया गया है । इस कानून के तहत शादी, तलाक, गोद लेना, संपत्ति और पारिवारिक मामलों से जुड़े नियम सभी नागरिकों के लिए एक समान होंगे यानि अलग-अलग धर्मों के लिए अलग पर्सनल लॉ की जगह अब एक समान कानून लागू होगा । सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार देना और कानूनी व्यवस्था को सरल बनाना है । वहीं विपक्ष और कुछ संगठनों ने इसे लेकर चिंता भी जताई है और कहा है कि इससे धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं पर असर पड़ सकता है.असम से पहले उत्तराखंड और गोवा में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हो चुका है । अब असम ऐसा कानून बनाने वाला तीसरा राज्य बन गया है ।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने क्या कहा?

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) असम बिल 2026 के पास होने को राज्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है । उन्होंने कहा कि यह कानून समानता और न्याय की दिशा में एक बड़ा फैसला है । मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के इतिहास में यह एक अहम पल है, क्योंकि अब असम यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला देश का तीसरा राज्य बन गया है । उन्होंने कहा कि यह कदम देश के संस्थापकों की सोच और संविधान निर्माताओं की इच्छा को आगे बढ़ाने वाला है । हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि यह फैसला तीन महत्वपूर्ण बातों को पूरा करता है । इसमें संविधान के आर्टिकल 44 की भावना, बीजेपी के संस्थापक आदर्श और बीजेपी असम के चुनावी वादे शामिल हैं । उन्होंने कहा कि सरकार ने जनता से जो वादा किया था, उसे पूरा किया गया है और यह कानून सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है ।

पीएम पोषण योजना के अंतर्गत:

अधिकारी विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करें - मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना की राज्य स्तरीय संचालन एवं निगरानी समिति की बैठक सचिवालय में ली और योजना की मॉनिटरिंग अधिक प्रभावी ढ़ंग से करने के निर्देश दिए। बैठक में समिति ने केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना के लिए राजस्थान को स्वीकृत 953.97 करोड़ रुपये सम्बंधी अनुमोदन किया । मुख्य सचिव ने योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए पीएम पोषण योजना के RAJSIMS पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में अवगत कराया गया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर

उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर व शैक्षणिक विकास को सशक्त आधार दिया जा रहा है। इस योजना से बच्चों में कुपोषण स्तर कम हो रहा है, ड्रॉप आउट कम हुआ है और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया । यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है। प्रधानमंत्री ने भी राज्य सरकार के इस नवाचार की प्रशंसा की है। श्री कृष्ण भोग योजना न केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, साथ ही, कुपोषण एवं एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60 लाख 54 हजार 768 भोजन थाली परोसी गई। मुख्य सचिव को अतिथि माता कॉन्सेप्ट से भी अवगत कराया गया जिसमें विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता स्वच्छता और पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करवाया जाता है। बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद और गुणवत्ता परीक्षण के लिए भोजन भी करवाया जाता है। जिस पर माताएं एवं महिला अभिभाव अपनी प्रतिक्रिया भी दर्ज करवाती हैं।

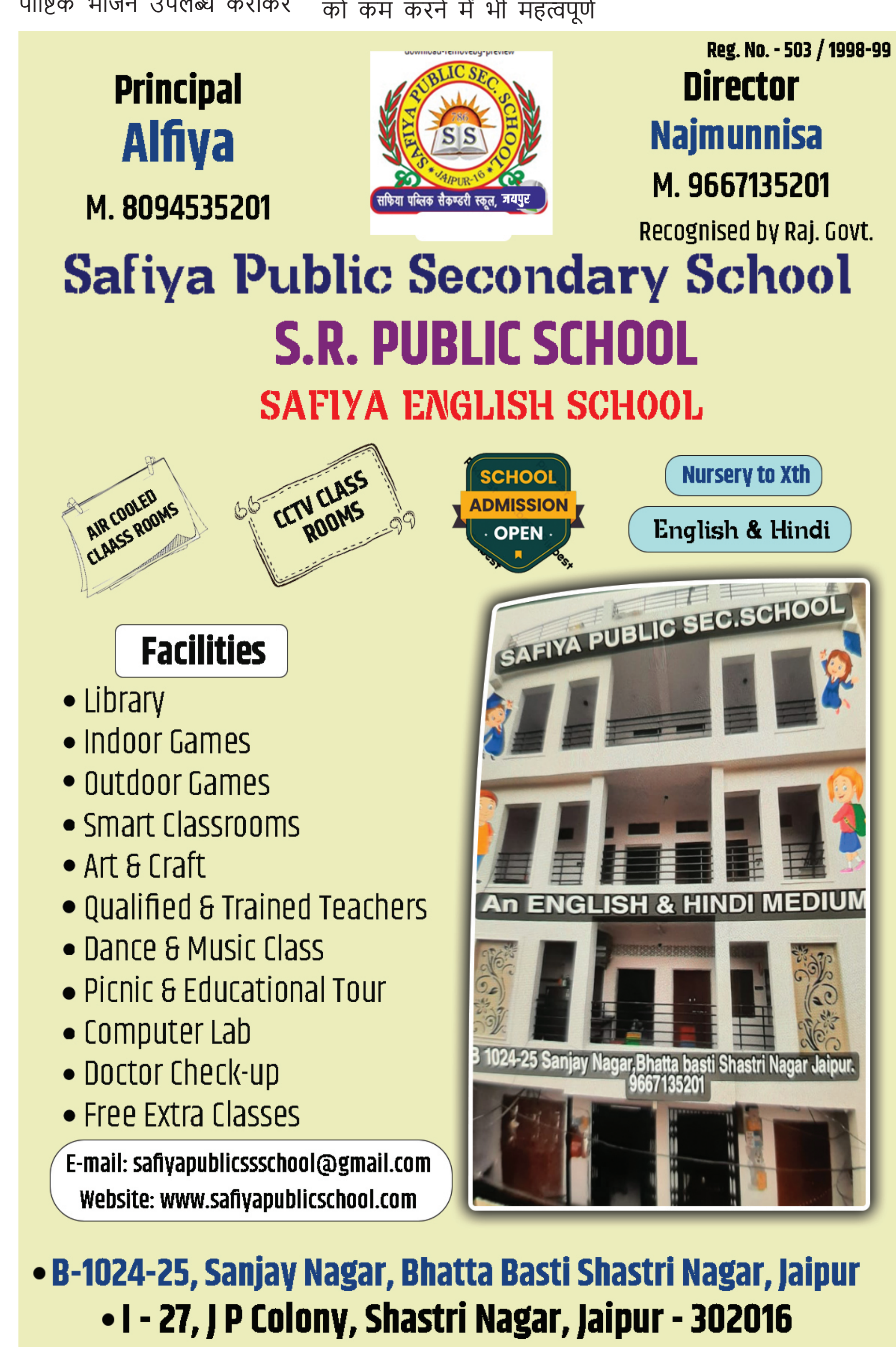

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com